सूर्यास्त 07:29 | सूर्योदय 05:28
तापमान
अधिकतम 42° | न्यूनतम 33°

राष्ट्रीय हिन्दी/साप्ताहिक

हिन्दुस्तान एकता

वर्ष: 07 | अंक: 17 | पृष्ठ: 04 | मूल्य: ₹1.00

info@hindustanekta.com — कैथल, शनिवार 4 जुलाई, 2026 — RNI-HRHIN/26/A1127

आपकी आवाज हमारी ताकत

आप कोई सामाजिक, धार्मिक आयोजन, प्रेस कॉन्फ्रेंस या किसी संस्था से जुड़ी कोई खबर, खुला नाला है, पानी से भरा गड्ढा है, रोड टूटी या गड्ढे हैं, हादसे का खतरा है इत्यादि खबरें हमारे साथ साझा करना चाहते हैं तो अब दूर नहीं। आपको केवल खबर और खबर से जुड़े चुनिंदा दो फोटो कैप्शन के साथ भेजना होगा। आपकी खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

ऐसे भेजे

वॉट्सएप कर सकते हैं
9499422208
हमें QR स्कैन कर वेबसाइट पर भी भेज सकते हैं

● नकल पर जीरो टॉलरेंस

सभी केंद्रों पर सीसीटीवी, बायोमेट्रिक, जैमर और पुलिस सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम: डीसी

एचटेट परीक्षा आज और कल, 17 केंद्रों पर 9,943 अभ्यर्थी देंगे परीक्षा

हिन्दुस्तान एकता » कैथल

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा 4 व 5 जुलाई को आयोजित होने वाली हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा (एचटेट)-2026 को लेकर जिला प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। उपायुक्त अपराजिता ने कहा कि जिले के 17 परीक्षा केंद्रों पर 9,943 अभ्यर्थियों की परीक्षा पूरी पारदर्शिता, निष्पक्षता और नकल रहित वातावरण में कराई जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को सौंपे गए दायित्व पूरी गंभीरता से निभाने के निर्देश दिए।

लघु सचिवालय में आयोजित समीक्षा बैठक में डीसी ने बताया कि 4 जुलाई को सायं कालीन सत्र में लेवल-3 (पीजीटी) की परीक्षा 10 केंद्रों पर होगी, जिसमें 3,173 अभ्यर्थी शामिल होंगे। वहीं 5 जुलाई को प्रातःकालीन सत्र में लेवल-2 (टीजीटी) की परीक्षा 17 केंद्रों पर 5,392 अभ्यर्थी देंगे, जबकि सायंकालीन सत्र में लेवल-1 (पीआरटी) की परीक्षा पांच केंद्रों पर होगी, जिसमें 1,378 अभ्यर्थी शामिल होंगे। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे, जैमर, बायोमेट्रिक सत्यापन, वीडियोग्राफी, बिजली, पेयजल, शौचालय सहित सभी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। नकल रोकने के लिए उड़नदस्तों के साथ पर्याप्त पुलिस बल भी तैनात रहेगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों को परीक्षा निष्पक्ष कराने के निर्देश दिए।

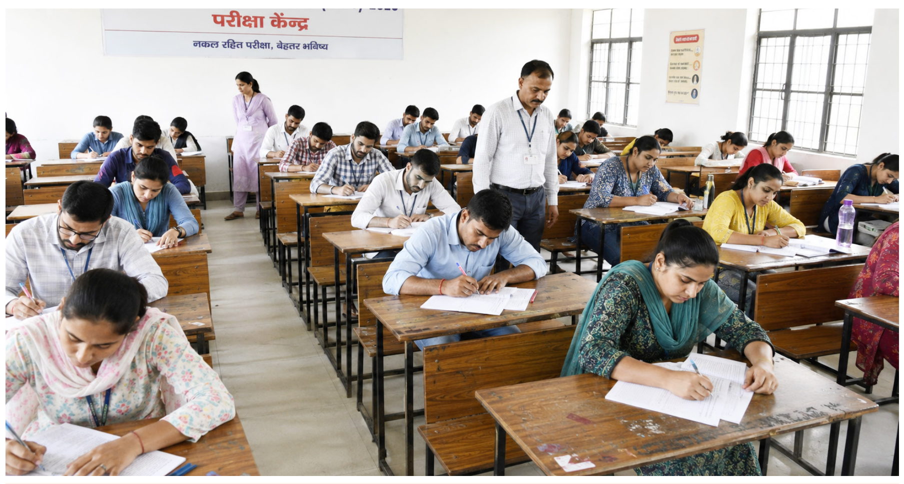

धारा-163 लागू, 200 मीटर दायरे में रहेगी पाबंदी...
एचटेट परीक्षा के मद्देनजर 4 और 5 जुलाई को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस)-2023 की धारा-163 लागू रहेगी। परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर के दायरे में फोटोस्टेट की दुकानें बंद रहेंगी तथा पांच या अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने पर प्रतिबंध रहेगा। आदेशों के उल्लंघन पर भारतीय न्याय संहिता की धारा-223 के तहत कार्रवाई की जाएगी।

परीक्षा एक नजर में...
- **कुल परीक्षा केंद्र:** 17
- **कुल अभ्यर्थी:** 9,943
- **4 जुलाई (लेवल-3/ पीजीटी):** 3,173 अभ्यर्थी, 10 केंद्र
- **5 जुलाई (लेवल-2/ टीजीटी):** 5,392 अभ्यर्थी, 17 केंद्र
- **5 जुलाई (लेवल-1/ पीआरटी):** 1,378 अभ्यर्थी, 5 केंद्र
- **व्यवस्था:** सीसीटीवी, जैमर, बायोमेट्रिक सत्यापन, वीडियोग्राफी, उड़नदस्ते और पुलिस सुरक्षा।

पाकिस्तान में सिख धार्मिक स्थल को नुकसान, केंद्र सरकार से हस्तक्षेप की मांग

हरपाल सिंह ने कहा-दोषियों पर कार्रवाई के साथ गुरुद्वारे का पुनर्निर्माण कराया जाए

हिन्दुस्तान एकता » पिहोवा

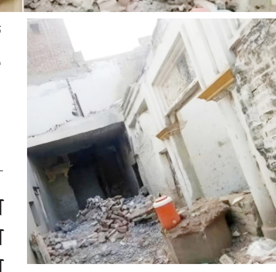

हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के निदेशक सरदार हरपाल सिंह ने पाकिस्तान के फारूकाबाद (चुहरकाना) स्थित 125 वर्ष पुराने ऐतिहासिक गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा साहिब के भवन को नुकसान पहुंचाए जाने की घटना की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि इस घटना से दुनियाभर की सिख संगत में रोष है। हरपाल सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पाकिस्तान सरकार पर कूटनीतिक दबाव बनाकर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित कराने और गुरुद्वारे के पुनर्निर्माण की मांग की। उन्होंने कहा कि वर्ष 1901 में निर्मित यह गुरुद्वारा प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव जी की स्मृतियों से जुड़ा महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल है। उन्होंने आरोप लगाया कि पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के धार्मिक स्थलों की सुरक्षा को लेकर गंभीर लापरवाही बरती जा रही है। हरपाल सिंह ने कहा कि सिख संगठनों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने भी घटना की निष्पक्ष जांच, दोषियों को कड़ी सजा तथा पाकिस्तान में धार्मिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग उठाई है।

न्यूज ब्रीफ

राजनीति से ऊपर उठकर प्रजातंत्र मज़बूत करें: ओम बिरला

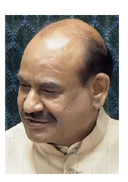

कैथल » लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने पश्चिम बंगाल विधानसभा के नवनिर्वाचित सदस्यों को संबोधित किया और उनसे लोकतांत्रिक परंपराओं को बनाए रखने और लोगों की उम्मीदों को पूरा करने की दिशा में काम करने का आग्रह किया। कोलकाता में दो दिवसीय ओरिएंटेशन प्रोग्राम के उद्घाटन सत्र में बोलते हुए, बिरला ने 2047 तक 'विकसित भारत' के विजन को साकार करने के लिए पश्चिम बंगाल के विकास के महत्व पर जोर दिया। बिरला ने इस बात पर ज़ोर दिया कि हर विधायक न सिर्फ़ अपने चुनाव क्षेत्र का, बल्कि पूरे राज्य की सामूहिक आकांक्षाओं का भी प्रतिनिधित्व करता है।

2 करोड़ की फर्जी फिरौती का मामला उजागर ज्वेलर्स गिरफ्तार

कैथल » पूंडरी के एक ज्वेलर्स से दो करोड़ रुपये की फिरौती मांगने के मामले में पुलिस जांच के दौरान शिकायत फर्जी निकली। एसपी मनप्रीत सिंह सूदन के निर्देश पर स्पेशल डिटेक्टिव यूनिट ने जांच में पाया कि शिकायतकर्ता रवि वर्मा ने पुलिस सुरक्षा हासिल करने के उद्देश्य से आरोपी देवेंद्र से विदेशी व्हाट्सएप नंबर के जरिए खुद ही फिरौती की कॉल करवाई थी। पुलिस ने इस मामले में शिकायतकर्ता रवि को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि आरोपी देवेंद्र पहले ही अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया जा चुका था। पुलिस मामले में नियमानुसार आगे की कार्रवाई कर रही है।

विधानसभा सचिवालय और एसबीआई के बीच एमओयू

हिन्दुस्तान एकता » चंडीगढ़

हरियाणा विधानसभा सचिवालय ने अधिकारियों और कर्मचारियों को बेहतर बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण की उपस्थिति में सचिव राजीव प्रसाद और एसबीआई के महाप्रबंधक बिनोद कुमार सिन्हा ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। समझौते के तहत कर्मचारियों के वेतन खाते एसबीआई में खोले जाएंगे। इसके साथ ही उन्हें विशेष बैंकिंग सुविधाएं, 10 लाख रुपये का ग्रुप टर्म लाइफ इंश्योरेंस, 100 लाख रुपये तक का व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा, विभिन्न ऋणों पर रियायतें और परिवार के सदस्यों के लिए भी विशेष बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि यह समझौता कर्मचारियों की वित्तीय सुरक्षा और कल्याण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

भोजपुर के भरत तिवारी कांड पर गरजे चिराग पासवान

नई दिल्ली » जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण एवं उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने शुक्रवार को कहा कि बिहार के भोजपुर जिले में भरत तिवारी की कथित हत्या के लिए जिम्मेदार पुलिस अधिकारियों को सख्त सजा दिलाई जाएगी। चिराग, भोजपुर के बिलौटी गांव जाकर पुलिस मुठभेड़ में मारे गए भरत तिवारी के परिजनों के मुलाकात कर गहरी संवेदना व्यक्त की और उन्हें ढांढस बंधाया। मंत्री ने परिजनों को भरोसा दिलाया कि उन्हें न्याय दिलाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे।

राम मंदिर चंदे पर संग्राम : बीजेपी बोली एसआईटी पर भरोसा रखें, विपक्ष का पलटवार-'असली चेहरा बेनकाब'

नई दिल्ली » राम जन्मभूमि मंदिर के लिए मिले दान में कथित हेराफेरी के मामले ने उत्तर प्रदेश में ज़बरदस्त राजनीतिक हलचल मचा दी है। विपक्ष ने सत्ताधारी बीजेपी पर तीखा हमला बोला है, जबकि सरकार का कहना है कि मामले की पारदर्शी जांच चल रही है। इस मामले पर बात करते हुए बीजेपी सांसद दिनेश शर्मा ने भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार ने तुरंत कार्रवाई की है। शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री ने एसआईटी जांच के आदेश दिए हैं। एसआईटी जांच चल रही है और पूरी पारदर्शिता के साथ जांच की जा रही है। लोगों को इंतज़ार करना चाहिए और भरोसा रखना चाहिए। राज्य के कैबिनेट मंत्री संजय निषाद ने कहा कि पिछली सरकारों के उलट, मौजूदा सरकार भ्रष्टाचार को छिपा नहीं रही है। निषाद ने कहा भ्रष्टाचार पहले भी होता था, लेकिन सब कुछ दबा दिया जाता था। (भ्रष्ट लोगों को) संरक्षण मिलता था। हालांकि, हमारे कार्यकाल में ऐसे मामलों का खुलासा हो रहा है और दोषियों को सज़ा दी जा रही है। जांच पर भरोसा रखना चाहिए। आरोपियों को बचाने और जनता को गुमराह करने वाले बयान देने के बजाय, भ्रष्टाचार के खिलाफ की जा रही कार्रवाई का समर्थन करना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा जब तक फाइल बंद नहीं हो जाती, जांच एक खास प्रक्रिया के तहत चलती है। बिना सबूत के किसी पर आरोप नहीं लगाया जा सकता। विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुरेंद्र जैन ने राम मंदिर चंदे में हेराफेरी के आरोपों को लेकर कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधा है। उन्होंने पार्टी नेताओं को नकली भक्त करार दिया, जो सिर्फ चुनावी फायदे के लिए भगवान राम के नाम का इस्तेमाल करते हैं। जैन ने दावा किया कि कांग्रेस का राम जन्मभूमि मुद्दे पर राजनीति करने का इतिहास रहा है, जो भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के दौर से चला आ रहा है।

52,000 करोड़ रुपए का रक्षा क्षेत्र को बढ़ावा: डीएसी ने सैन्य उपकरणों को दी मंजूरी, बढ़ेगी भारत की ताकत

नई दिल्ली » रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने रक्षा बलों के लिए लगभग 52,000 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाले विभिन्न अधिग्रहण प्रस्तावों को 'आवश्यकता की स्वीकृति' (एओएन) यानी सैद्धांतिक प्रशासनिक मंजूरी दी। रक्षा मंत्रालय ने इस बात की जानकारी दी है। मंत्रालय ने कहा कि भारतीय सेना के लिए, एंटी-अनमैन्ड एरियल व्हीकल (यूएवी) इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम 'आकाश तरंग', मैन पोर्टेबल एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल (एमपीएटीजीएम) सिस्टम, मीडियम रेंज सरफेस-टू-एयर मिसाइल (एमआपएलएएम) वेपन सिस्टम, वेरी शॉर्ट रेंज एयर डिफेंस सिस्टम (वी-शोराड्स), टैंकों के लिए एक्टिव प्रोटेक्शन सिस्टम और जेट-बेस्ड कामिकेज़ ड्रोन सिस्टम की खरीद को मंज़ूरी दी गई। आकाश तरंग (आकाश तरंग) सेना की टुकड़ियों को एंटी-यूएवी सुरक्षा देगा।

एमपीएटीजीएम दुश्मन के मैकेनाइज्ड खतरों का मुकाबला करने की इन्फैंट्री की क्षमता को बढ़ाएगा। एमआरएसएएम सिस्टम कई तरह के दूर से होने वाले हवाई खतरों के खिलाफ मध्यम दूरी की हवाई सुरक्षा देता है। मल्टी-स्पेक्ट्रल सेंसिंग वाला वी-शोराड्स भारतीय सेना की जवाबी कार्रवाई की क्षमता और असर को बढ़ाएगा। एक्टिव प्रोटेक्शन सिस्टम टैंकों की सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने और उनके बचे रहने की क्षमता को बढ़ाने में सक्षम होगा। जेट-बेस्ड कामिकेज़ ड्रोन बेहतर इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर क्षमता के साथ-साथ ज़्यादा घातक और सुरक्षित होने के साथ-साथ किफायती भी हैं। भारतीय नौसेना के लिए, मल्टी इन्फ्लुएंस ग्राउंड माइन (एमआईजीएम), नेवल शिपबोर्न अनमैन्ड एरियल सिस्टम (एनएसयूएएस) की खरीद और इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन सिस्टम के लिए लैंड बेस्ड टेस्टिंग फैसिलिटी (एलबीटीएफ) बनाने की मंज़ूरी दी गई। एमआईजीएम दुश्मन की चाल चलने की आज़ादी को रोकेगा। एडवांस्ड सेंसर से लैस एनएसयूएएस भारतीय नौसेना की स्थिति की जानकारी (सिचुएशनल अवेयरनेस) को बेहतर बनाएगा। एलबीटीएफ भारतीय नौसेना के एसेट्स के मोटर्स और उनसे जुड़े प्रोपल्शन सिस्टम की टेस्टिंग की ज़रूरतों को पूरा करेगा।

बड़ा खुलासा: इसरो को बम थ्रेट देने वाला गाज़ियाबाद से अरेस्ट

नई दिल्ली » बेंगलुरु पुलिस उत्तर प्रदेश के गाज़ियाबाद से एक व्यक्ति को ले आई है, जिसे दिल्ली पुलिस ने इसरो हेडक्वार्टर को बम से उड़ाने की झूठी धमकी वाला ईमेल भेजने के आरोप में गिरफ्तार किया था। अधिकारियों का कहना है कि आरोपी मानसिक रूप से बीमार पाया गया है। पुलिस के मुताबिक, 2 जुलाई को संजय नगर पुलिस स्टेशन इलाके में न्यू बीईएल रोड पर स्थित इसरो हेडक्वार्टर (अंतरिक्ष भवन) को एक धमकी भरा ईमेल मिला, जिसमें ऑफिस में बम धमाके की चेतावनी दी गई थी। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए पुलिस मौके पर पहुंची और अच्छी तरह से जांच-पड़ताल की। ईमेल में बताई गई कोई भी संदिग्ध चीज़ या स्थिति नहीं मिली। बाद में पुष्टि हुई कि यह बम की झूठी धमकी थी।

अरविंद केजरीवाल का आरोप

ई20 पेट्रोल जनता पर थोपा, गाड़ियां हो रही हैं खराब, माइलेज भी घटा

नई दिल्ली » आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार जनता पर जबरदस्ती ई20 पेट्रोल थोप रही है। उन्होंने दावा किया कि इससे गाड़ियों को नुकसान हो रहा है और ईंधन की क्षमता (माइलेज) भी कम हो रही है। X पर एक वीडियो पोस्ट शेयर करते हुए केजरीवाल ने कहा कि 20 प्रतिशत इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल को लेकर जनता में काफी गुस्सा है। 30 जून को केंद्र सरकार ने अटॉर्नी जनरल के ज़रिए सुप्रीम कोर्ट को बताया कि यह सिर्फ़ एक प्रयोग है और आगे की कार्रवाई इसके नतीजों पर निर्भर करेगी। जब यह बात मीडिया और अख़बारों में आई, तो केंद्र सरकार पूरी तरह से पीछे

हट गई। उन्होंने एक बयान जारी कर कहा कि उन्होंने ऐसा कुछ कभी नहीं कहा और यह झूठ है। उन्होंने सरकार के तरीके पर सवाल उठाते हुए कहा, और यह किस तरह का प्रयोग है? आपने सभी लोगों और सभी गाड़ियों के लिए इथेनॉल-मिला हुआ पेट्रोल अनिवार्य कर दिया है, और अब आप कह रहे हैं कि आप 'प्रयोग' कर रहे हैं? क्या आप उन लोगों को मुआवज़ा देंगे जिनकी गाड़ियाँ खराब हो रही हैं?

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद हर दिन तिरंगा फहराने का रास्ता हुआ था साफ

जब तिरंगे के सम्मान के लिए अदालत पहुंचे नवीन जिंदल

हिन्दुस्तान एकता » पिहोवा

आज देश का हर नागरिक गर्व के साथ अपने घर, प्रतिष्ठान और सीने पर तिरंगा धारण कर सकता है। इस अधिकार के पीछे कुरुक्षेत्र से सांसद नवीन जिंदल की लगभग 10 वर्ष लंबी कानूनी लड़ाई को महत्वपूर्ण माना जाता है। 1994 में छत्तीसगढ़ के रायगढ़ स्थित अपनी फैक्ट्री पर प्रतिदिन तिरंगा फहराने पर प्रशासन ने आपत्ति जताई थी। इसके बाद नवीन जिंदल ने इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से जुड़ा मौलिक अधिकार बताते हुए अदालत का रुख किया। वर्ष 2001 में दिल्ली हाईकोर्ट और 2004 में सुप्रीम कोर्ट ने सम्मानपूर्वक तिरंगा फहराने को नागरिक का अधिकार माना। इसके बाद फ्लैग कोड ऑफ इंडिया में संशोधन कर आम नागरिकों को किसी भी दिन राष्ट्रीय ध्वज फहराने की अनुमति दी गई। बाद में उन्होंने फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया के माध्यम से देशभर में विशाल तिरंगे स्थापित करने का अभियान भी चलाया।

सांसद नवीन जिंदल के मार्गदर्शन में संचालित नवीन जिंदल फाउंडेशन शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल विकास के क्षेत्र में भी कार्य कर रहा है। यशस्वी स्कॉलरशिप, सरकारी स्कूलों में डिजिटल क्लासरूम, मेगा हेल्थ कैंप, मोबाइल मेडिकल वैन तथा इंटरनेशनल स्किल सेंटर जैसी पहलें युवाओं और ग्रामीणों को लाभ पहुंचा रही हैं। संसद में भी उन्होंने फूड सेफ्टी, स्किल डेवलपमेंट, रेलवे सुविधाओं, खाद की उपलब्धता और प्राकृतिक खेती जैसे जनहित के मुद्दे लगातार उठाए हैं।

संसद में उठाए प्रमुख मुद्दे
- सम्मानपूर्वक तिरंगा फहराने के अधिकार की ऐतिहासिक पहल।
- रिफाइंड ऑयल और अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड के स्वास्थ्य प्रभावों पर चिंता।
- कुरुक्षेत्र में फूड टेस्टिंग लैब की मांग।
- युवाओं के लिए स्किल सेंसस और कौशल प्रशिक्षण पर जोर।
- रेलवे सुविधाओं के विस्तार और किसानों के लिए खाद उपलब्ध कराने की मांग।
- प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की पहल।

कैथल में ज्ञान दान बुक बैंक का शुभारंभ

हिन्दुस्तान एकता » कैथल

उपायुक्त अपराजिता ने जींद रोड स्थित डाइट भवन में 'ज्ञान दान बुक बैंक' का उद्घाटन किया। इस बुक बैंक में विभिन्न विषयों की 3952 पुस्तकें एकत्रित की गई हैं, जिनका लाभ जरूरतमंद विद्यार्थियों को मिलेगा। डीसी ने कहा कि महंगी किताबों के कारण कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे, इसी उद्देश्य से यह पहल शुरू की गई है। उन्होंने आमजन से आह्वान किया कि वे ज्ञानदान अभियान में सहयोग करें और जरूरतमंद बच्चों तक किताबें पहुंचाने में भागीदारी निभाएं। इस अवसर पर डीसी ने विद्यार्थियों को पुस्तकें वितरित कीं तथा बुक बैंक में सहयोग करने वाले लोगों और विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में शिक्षा विभाग के अधिकारी, प्राचार्य एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

सुविचार

"सिर्फ खड़े होकर पानी देखने से आप नदी नहीं पार कर सकते"

संपादकीय

महिलाओं की सुरक्षा और आर्थिक भागीदारी: सशक्त हरियाणा की दिशा में अगला कदम

हरियाणा ने पिछले कुछ वर्षों में खेल, उद्योग, शिक्षा और आधारभूत ढांचे के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। खेल जगत में राज्य की बेटियों ने ओलंपिक से लेकर विश्व स्तर तक देश का गौरव बढ़ाया है। यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि अवसर मिलने पर हरियाणा की महिलाएं किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकती हैं। फिर भी, एक सशक्त और समावेशी हरियाणा का सपना तभी साकार होगा जब महिलाओं की सुरक्षा और उनकी आर्थिक भागीदारी को विकास की मुख्यधारा में समान महत्व दिया जाएगा।

महिलाओं की सुरक्षा केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं है, बल्कि यह सामाजिक विश्वास, स्वतंत्रता और समान अवसरों से जुड़ा प्रश्न भी है। यदि कोई महिला बिना भय के शिक्षा प्राप्त कर सके, रोजगार के लिए यात्रा कर सके और कार्यस्थल पर सम्मानजनक वातावरण पा सके, तभी वह अपनी पूरी क्षमता के साथ समाज और अर्थव्यवस्था में योगदान दे सकती है। इसलिए सुरक्षा और आर्थिक सशक्तीकरण एक-दूसरे के पूरक हैं। हरियाणा में महिला सुरक्षा को लेकर समय-समय पर कई पहलें की गई हैं। पुलिस व्यवस्था को अधिक संवेदनशील बनाने, महिला हेल्पलाइन, सीसीटीवी निगरानी और त्वरित कार्रवाई जैसी व्यवस्थाओं ने सकारात्मक संदेश दिया है। इसके बावजूद सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा, साइबर अपराध, कार्यस्थलों पर उत्पीड़न और सामाजिक मानसिकता जैसी चुनौतियां अभी भी पूरी तरह समाप्त नहीं हुई हैं। कानूनों का प्रभावी क्रियान्वयन और त्वरित न्याय व्यवस्था इस दिशा में अत्यंत आवश्यक है।

दूसरी ओर, आर्थिक भागीदारी महिलाओं के आत्मविश्वास और सामाजिक सम्मान को नई पहचान देती है। स्वरोजगार, लघु उद्योग, स्टार्टअप, कृषि आधारित उद्यम, स्वयं सहायता समूह और डिजिटल अर्थव्यवस्था महिलाओं के लिए नए अवसर लेकर आए हैं। हरियाणा में इन क्षेत्रों को और अधिक प्रोत्साहन देने की आवश्यकता है। ग्रामीण महिलाओं के लिए कौशल विकास, आसान ऋण, डिजिटल प्रशिक्षण और बाज़ार तक पहुंच सुनिश्चित करना समय की मांग है।

शिक्षा इस परिवर्तन की सबसे मजबूत नींव है। बेटियों की उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण पर निवेश बढ़ाकर उन्हें भविष्य के रोजगारों के लिए तैयार किया जा सकता है। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना राज्य की आर्थिक क्षमता को भी नई गति देगा।

समाज की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। परिवारों में बेटियों को समान अवसर, सुरक्षित वातावरण और स्वतंत्र निर्णय लेने का अधिकार देना आवश्यक है। विद्यालयों और महाविद्यालयों में लैंगिक संवेदनशीलता पर आधारित शिक्षा, कार्यस्थलों पर शून्य सहिष्णुता की नीति तथा मीडिया द्वारा सकारात्मक सामाजिक संदेश इस दिशा में प्रभावी भूमिका निभा सकते हैं।

हरियाणा की पहचान केवल खेलों में पदक जीतने वाली बेटियों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। राज्य की हर महिला—चाहे वह किसान हो, श्रमिक, उद्यमी, खिलाड़ी, शिक्षिका या पेशेवर—को सुरक्षित वातावरण और समान आर्थिक अवसर मिलना चाहिए। यही वास्तविक विकास का मानक होगा।

सशक्त हरियाणा का निर्माण केवल सड़कों, उद्योगों और निवेश से नहीं होगा, बल्कि तब होगा जब हर महिला स्वयं को सुरक्षित, सम्मानित और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर महसूस करेगी। यही वह अगला कदम है जो हरियाणा को विकास के साथ सामाजिक न्याय और समानता की नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा।

बंटवारे की आग...

डॉ. सत्यवान सौरभ
कवि, सामाजिक विचारक एवं स्तंभकार, आकाशवाणी एवं टीवी पेनालिस्ट

घर-आँगन की छाँव में, पलते प्रेम-विचार।
लोभ लगा जब मन कहीं, टूटे सब परिवार॥

माटी केवल खेत की, नहीं हृदय का मान।
रिश्तों से बढ़कर नहीं, धन-दौलत की शान॥
लालच की इक आग ने, छीना सबका प्यार—
लोभ लगा जब मन कहीं, टूटे सब परिवार॥

भाई-भाई एक थे, संग जिए हर साँस।
दीवारों ने बाँट दी, जीवन की मिठास॥
आँगन तक सीमित नहीं, बँट गए संस्कार—
लोभ लगा जब मन कहीं, टूटे सब परिवार॥

माँ के आँचल की महक, पिता जुड़ा विश्वास।
हिस्सों में जब बँट गया, बिखर गया उल्लास॥
अपनों से ही हारकर, जीता क्या संसार—
लोभ लगा जब मन कहीं, टूटे सब परिवार॥

बाबुल की हर सीख में, जीवन का विस्तार।
जीते-जी ही न्याय हो, मिट जाए तकरार॥
बेटी-बेटा एक हैं, दोनों घर का प्यार—
लोभ लगा जब मन कहीं, टूटे सब परिवार॥

क्रोध अगर अंगार है, क्षमा शीतल नीर।
प्रेम जहाँ जीवित रहे, मिट जाए हर पीर॥
रिश्तों से बढ़कर नहीं, कोई भी उपहार—
लोभ लगा जब मन कहीं, टूटे सब परिवार॥

धरती ये रह जाएगी, खाली होंगे हाथ।
रिश्ते ही पहचान हैं, रखिए इनके साथ॥
'सौरभ' प्रेम बचाइए, यह सच्चा संस्कार—
लोभ लगा जब मन कहीं, टूटे सब परिवार॥

हिंदुस्तान एकता कार्यालय

प्रिय पाठकगण,
यदि आप हिन्दुस्तान एकता में अपनी कोई रचना, लेख, कविता, कहानी, ग़ज़ल, समीक्षा, संस्मरण, जीवनी, बाल स्तंभ व महिला स्तंभ आदि प्रकाशित करवाना चाहते हैं तो हर महीने की 2, 9, 16, 23 तारीख तक इस ईमेल पर भेजें तथा देश के हर कोने तक अपनी आवाज को बुलंद करें।
ईमेल:
hindustanektaliterature@gmail.com

जब शहर तपते हैं...

डॉ. प्रियंका सौरभ
पीएचडी (राजनीति विज्ञान), कवयित्री एवं सामाजिक चिंतक हैं)

भारत आज तीव्र शहरीकरण और जलवायु परिवर्तन—दो ऐसी प्रक्रियाओं के संगम पर खड़ा है, जो देश के सामाजिक, आर्थिक और प्रशासनिक ढांचे को गहराई से प्रभावित कर रही हैं। एक ओर शहर विकास, रोजगार और नवाचार के केंद्र हैं, तो दूसरी ओर वे बढ़ते तापमान, अनियमित वर्षा, शहरी बाढ़, जल संकट, वायु प्रदूषण और चरम मौसमी घटनाओं के सबसे बड़े शिकार भी बनते जा रहे हैं। सामान्यतः जलवायु परिवर्तन को पर्यावरणीय समस्या माना जाता है, किंतु भारतीय शहरों का अनुभव बताता है कि यह केवल प्रकृति का संकट नहीं है; यह शहरी शासन, सामाजिक न्याय और विकास मॉडल की सीमाओं को उजागर करने वाला बहुआयामी संकट है।

इस संकट का सबसे अधिक दुष्प्रभाव उन लोगों पर पड़ता है, जो शहरों की अर्थव्यवस्था और जीवन-प्रणाली को प्रतिदिन संचालित करते हैं, लेकिन नीतियों और योजनाओं में सबसे पीछे रह जाते हैं। इनमें अनौपचारिक क्षेत्र के श्रमिक, प्रवासी मजदूर, सड़क विक्रेता, निर्माण श्रमिक, घरेलू कामगार, कचरा बीनने वाले और स्वच्छता कार्यकर्ता प्रमुख हैं। विडंबना यह है कि जिन लोगों के श्रम से शहर चलते हैं, वही लोग जलवायु परिवर्तन के सबसे असुरक्षित शिकार बनते हैं।

भारत की लगभग 35 प्रतिशत आबादी शहरों में रहती है और आने वाले दशकों में यह अनुपात तेजी से बढ़ेगा। शहरों का विस्तार अक्सर बिना समुचित योजना के हुआ है। हरित क्षेत्रों का सिकुड़ना, जल निकायों का अतिक्रमण, अनियंत्रित कंक्रीटीकरण और कमजोर जल निकासी व्यवस्था ने शहरों की प्राकृतिक जलवायु सहनशीलता को कम कर दिया है। परिणामस्वरूप थोड़ी सी अधिक वर्षा भी व्यापक जलभराव और बाढ़ का कारण बन जाती है, जबकि लंबे समय तक वर्षा न होने पर गंभीर जल संकट उत्पन्न हो जाता है। बढ़ते तापमान ने शहरी हीट आइलैंड प्रभाव को और तीव्र बना दिया है, जिससे शहर ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में कई डिग्री अधिक गर्म हो जाते हैं। यह स्थिति केवल प्राकृतिक कारणों का परिणाम नहीं है। यह शहरी शासन की कमियों को भी दर्शाती है। अनेक नगर निकायों के पास न तो पर्याप्त वित्तीय संसाधन हैं और न ही जलवायु परिवर्तन के अनुरूप दीर्घकालिक योजना बनाने की क्षमता। विभिन्न विभागों के बीच समन्वय का अभाव, डेटा आधारित निर्णयों की कमी और अल्पकालिक विकास परियोजनाओं पर अत्यधिक निर्भरता ने समस्या को और जटिल बना दिया है। जलवायु परिवर्तन का प्रभाव समाज के सभी वर्गों पर समान रूप से नहीं पड़ता। आर्थिक रूप से कमजोर और सामाजिक रूप से वंचित वर्ग सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। यही कारण है कि जलवायु परिवर्तन को अब क्लाइमेट जस्टिस अर्थात जलवायु न्याय के दृष्टिकोण से भी देखा जा रहा है। जिन लोगों का कार्बन उत्सर्जन सबसे कम है, वही इसके सबसे गंभीर परिणाम भुगत रहे हैं।

अनौपचारिक क्षेत्र भारतीय शहरी अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। विभिन्न आकलनों के अनुसार शहरों में कार्यरत अधिकांश श्रमिक असंगठित या अनौपचारिक क्षेत्र से जुड़े हैं। उनके पास स्थायी रोजगार, सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य बीमा या पेंशन जैसी सुविधाएँ नहीं होतीं। उनकी आय प्रतिदिन के कार्य पर निर्भर करती है। ऐसे में जलवायु परिवर्तन उनके लिए केवल मौसम का बदलाव नहीं बल्कि आजीविका का संकट बन जाता है। जब भीषण गर्मी पड़ती है, निर्माण कार्य धीमे हो जाते हैं, सड़क विक्रेताओं की बिक्री घट जाती है, रिक्शा और ई-रिक्शा चालक कम समय तक काम कर पाते हैं तथा दिहाड़ी मजदूरों की आय प्रभावित होती है। दूसरी ओर, अत्यधिक वर्षा और शहरी बाढ़ से बाजार बंद हो जाते हैं, परिवहन बाधित होता है और लाखों लोगों की रोज़ी-रोटी ठप पड़ जाती है। अधिकांश अनौपचारिक श्रमिकों के पास आय का कोई वैकल्पिक स्रोत नहीं होता। परिणामस्वरूप वे कर्ज, भूख और आर्थिक असुरक्षा के दुष्चक्र में फंस जाते हैं।

शहरों की झुग्गी बस्तियां जलवायु संकट का सबसे बड़ा केंद्र बन चुकी हैं। अधिकांश झुग्गियाँ नदी किनारे, नालों के आसपास या निम्न-स्तरीय भूमि पर स्थित होती हैं, जहाँ बाढ़ और जलभराव का खतरा अधिक रहता है। इन क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल, सीवरेज, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और स्वास्थ्य सेवाओं का अभाव होता है। भारी वर्षा के बाद दूषित जल फैलने से डेंगू, मलेरिया, हैजा और अन्य जलजनित रोग तेजी से फैलते हैं। गर्मी के दौरान टिन की छतों वाले छोटे घर असहनीय तापमान तक गर्म हो जाते हैं, जिससे बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ता है।

(यह लेखिका के निजी विचार है)

हम शिक्षित तो हुए, पर पढ़ न सके अपनों की तकलीफ

आर.जे. रेखा
क्रिस्टल वॉयस
आकाशवाणी एफएम गोल्ड 100.1

डिग्रियां दीवार पर टंग गईं। रिज्यूमे में एमबीए, पीएचडी, इंजीनियर लिख गया। इंग्लिश फर्राटेदार बोल लेते हैं, लैपटॉप पर उंगलियां बिजली सी दौड़ती हैं। दफ्तर में प्रेजेंटेशन पर तालियां बटोर लेते हैं। पर घर आते ही मां की आंखों के नीचे की थकान क्यों नहीं दिखती? पिता के सब ठीक है बेटा के पीछे का सन्नाटा क्यों नहीं सुनाई देता? हम शिक्षित तो हुए, पर अपनों की तकलीफ पढ़ना नहीं सीख पाए।

शिक्षा ने आंखें दीं, नजर नहीं

स्कूल ने अक्षर सिखाए, कॉलेज ने तर्क। न्यूटन के नियम याद कर लिए, शेक्सपियर के डायलॉग रट लिए। पर किसी सिलेबस में ये नहीं था कि भाई की खामोशी का मतलब कैसे समझें। किसी किताब ने नहीं बताया कि पत्नी जब कुछ नहीं कहे तो उसका मतलब बहुत कुछ होता है। हम गूगल पर पूरी दुनिया सर्च कर लेते हैं, पर बगल वाले कमरे में बैठे इंसान का दिल नहीं पढ़ पाते।

छोटी बहन रात 2 बजे तक जाग रही है। हम झल्लाकर कहते हैं, सो जा, फोन पर क्या रील्स देख रही है? पर कभी पूछा कि उसे नींद क्यों नहीं आ रही? कहीं कॉलेज से लौटते वक्त कोई पीछा तो नहीं करता? हम मान लेते हैं कि वो 'जनरेशन जेड' है, फोन की लत है। पर शायद वो डर के मारे जाग रही है, और चाहती है कि कोई पूछे – सब ठीक है ना? दादी से कहते हैं, लड्डू बना दो ना। दादी दर्द छिपाकर उठ जातीं हैं। पर कभी उनके घुटनों को छुआ? कभी तेल की शीशी लेकर बैठे कि दादी लाओ, मैं मालिश कर दूं? वो कहेंगी अरे कुछ नहीं बेटा, बुढ़ापे में होता है। हमें लगा बुढ़ापा नॉर्मल है। पर वो दर्द नॉर्मल नहीं है। हम लड्डू का स्वाद तो याद रखते हैं, पर उनके दर्द का एहसास भूल जाते हैं।

मां अकेली डॉक्टर के पास चली जाती है। हम कहते हैं, मां, बता देती। मैं छुट्टी ले लेता। मां कहती है, अरे तुझे डिस्टर्ब क्या करती सोचा खुद ही दिखा आऊं। हम मान लेते हैं कि सब ठीक है। पर छुट्टी वाले दिन हमने मां को अपने हाथ से एक कप चाय भी बनाकर दी? हम ऑफिस में तो टीम लीड करते हैं, पर घर में मां की थकान तक देखना भूल जाते हैं।

सफलता की रेस में रिश्ते पीछे छूट गए

हम मीटिंग में हैं तो मां का फोन काट देते हैं – काम में हूं मां, बाद में। वो 'बाद' कभी आता ही नहीं। रात को थककर लौटते हैं तो कहते हैं खाना कमरे में भिजवा दो। मां थाली रखकर चली जाती है, इस उम्मीद में कि शायद बेटा आवाज देगा। पर हम दरवाजा बंद कर लेते हैं।

पत्नी कहती है, मैं तुम्हारी मां की तरह हाउस वाइफ नहीं हूं। मुझे भी करियर बनाना है। बात सही है। पर क्या उसने सोचा कि वो ऑफिस जा पाती है क्योंकि पीछे से मां घर संभालती है? बच्चा स्कूल से आए तो मां खाना खिलाती है, बुखार आए तो देखभाल करती है। अगर मां न होती, तो क्या पत्नी इतनी आसानी से 9 से 6 की जॉब कर पाती? हम मॉडर्न होने के नाम पर मां के त्याग को 'पुराना ख्याल' कह देते हैं। पर उसी 'पुराने ख्याल' से हमारी नई जिंदगी चल रही है।

तनख्वाह बढ़ी तो बड़ा घर ले लिया। पर उस घर में बातें छोटी हो गईं। सबके अपने कमरे, अपने स्क्रीन। ड्राइंग रूम में सन्नाटा है। व्हाट्सएप पर स्टेटस लगाते हैं – 'फैमिली इज एवरीथिंग'। पर डिनर टेबल पर सबकी गर्दनें मोबाइल में झुकी हैं। साथ बैठते हैं, पर साथ होते नहीं।

डिग्री से बड़ी होती है दरियादिली

अनपढ़ किसान पहले बैल का हाल पूछता है – खाया कि नहीं रे? मजदूर रोटी तोड़कर साथी को देता है – ले भाई। उन्होंने मनोविज्ञान नहीं पढ़ा, पर उन्हें इंसान पढ़ना आता है। हम मैनेजमेंट की केस स्टडीज रट लेते हैं, पर घर का मैनेजमेंट नहीं संभाल पाते। कंपनी का टर्नओवर याद है, पर पिता की दवाई का नाम नहीं पता। क्लाइंट का बर्थडे याद है, पर बहन की खामोशी नोटिस नहीं करते। हमने घर को भी ऑफिस बना दिया। घर खर्च का पैसा दिया और जिम्मेदारी ख़त्म। पर रिश्ते पैसे से नहीं, एहसास से सींचे जाते हैं।

तकलीफ की कोई भाषा नहीं होती

तकलीफ हमेशा चीखकर नहीं आती। वो खामोशी की चादर ओढ़कर आती है। मां जब कहे मन नहीं है, दूध लेकर सो जाऊंगी तो शायद तबियत ठीक नहीं। पिता जब पुरानी शर्ट मांगकर पहन लें, और कहें अभी तो नई जैसी है, तो समझो नई खरीदने में संकोच कर रहे हैं। इन्हें पढ़ने के लिए डिग्री नहीं, दिल चाहिए।

अब क्या करें?

दिल से देखो_ चेहरे पढ़ो। बहन जाग रही है तो डांटो मत। पूछो – कोई परेशानी है? सेफ फील करती है ना? फोन साइलेंट करो_दिन में 15 मिनट बिना स्क्रीन के सिर्फ घरवालों को दो। सिर्फ सुनो। पूछो नहीं, करो_दादी के घुटनों पर तेल लगा दो। मां को डॉक्टर के पास खुद ले जाओ। छुट्टी के दिन कहो, मां आज चाय मैं बनाऊंगा।

माफी मांगना सीखो_'सॉरी' और 'थैंक यू' घर से शुरू करो। जिस दिन मां-बाप से 'थैंक यू' बोलना सीख जाओगे, जिंदगी आसान हो जाएगी। छोटे सुख याद रखो_मां को अदरक वाली चाय पसंद है? शाम को खुद बना दो।

कल को जब हम बूढ़े होंगे, तब हमें भी इसी अनदेखी का डर लगेगा। जब बाद में बात करता हूं पापा सुनाई देगा, तब ये दर्द समझ आएगा। जो बोओगे वही काटोगे।

शिक्षा का असली मतलब इंसान बनना है। और इंसान वही है जिसे दूसरे की पीड़ा दिखे। वरना रोबोट और हममें फर्क ही क्या रहा? आज घर जाओ तो डिग्री एक तरफ रख देना। और सिर्फ एक काम करना – किसी अपने की आंखों में झांकना। वहां जो तकलीफ, जो उम्मीद दिखे, उसे पढ़ लेना। क्योंकि हम शिक्षित तो हुए, पर अगर अपनों की तकलीफ न पढ़ सके, तो ये शिक्षा किस काम की?

(यह लेखिका के निजी विचार है)

राम मंदिर प्रकरण: कार्यप्रणाली और पारदर्शिता का प्रश्न

महेन्द्र तिवारी, भूतपूर्व वायुसैनिक, संप्रति राष्ट्रीय अभिलेखागार, नई दिल्ली में कार्यरत

अयोध्या का राम मंदिर करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र है। यहां आने वाला हर श्रद्धालु अपनी श्रद्धा के अनुसार चढ़ावा अर्पित करता है। यही कारण है कि जब चढ़ावे से जुड़ी कथित अनियमितताओं और चोरी के आरोप सामने आए तो यह मामला केवल एक आपराधिक घटना तक सीमित नहीं रहा। इसने धार्मिक संस्थानों की वित्तीय पारदर्शिता, प्रशासनिक जवाबदेही और निगरानी व्यवस्था पर व्यापक बहस शुरू कर दी। पिछले कुछ दिनों में विशेष जांच दल की कार्रवाई ने इस पूरे मामले को और गंभीर बना दिया है। विभिन्न समाचार रिपोर्टों के अनुसार जांच अब केवल कथित चोरी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भी देखा जा रहा है कि चढ़ावे की गिनती और जमा करने की जो व्यवस्था तय थी, उसका पालन वास्तव में हुआ या नहीं।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार जांच के दौरान यह बात सामने आई है कि चढ़ावे की गिनती के लिए मंदिर ट्रस्ट और बैंक के बीच एक निर्धारित व्यवस्था बनाई गई थी। इस व्यवस्था का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि नकदी की गिनती पूरी पारदर्शिता के साथ हो और किसी एक व्यक्ति या समूह के भरोसे पूरी प्रक्रिया न रहे। बताया जा रहा है कि गिनती के समय दोनों पक्षों के अधिकृत प्रतिनिधियों की संयुक्त उपस्थिति आवश्यक थी। यदि जांच में यह सिद्ध होता है कि इस प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया तो यह केवल व्यक्तिगत लापरवाही का मामला नहीं रहेगा, बल्कि पूरी निगरानी व्यवस्था की कमजोरी भी सामने आएगी।

जांच एजेंसियां केवल कागजी दस्तावेजों तक सीमित नहीं हैं। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार बैंक अभिलेख, लेनदेन का विवरण, अभिलेखों का मिलान, संबंधित कर्मचारियों की भूमिका और अन्य वित्तीय पहलुओं की भी गहन पड़ताल की जा रही है। यदि किसी व्यवस्था में कई स्तरों पर निगरानी हो और उसके बावजूद कथित अनियमितता सामने आए तो स्वाभाविक रूप से यह प्रश्न उठता है कि नियंत्रण तंत्र किस स्तर पर कमजोर पड़ा। यही कारण है कि जांच का दायरा लगातार बढ़ता दिखाई दे रहा है।

रिपोर्टों में यह भी कहा गया है कि चढ़ावे की गिनती से जुड़े कई संचालन संबंधी नियमों की समीक्षा की जा रही है। इनमें निगरानी व्यवस्था, कर्मचारियों का नियमित परिवर्तन, निर्धारित पहचान व्यवस्था, अभिलेखों का सुरक्षित रखरखाव और पूरी प्रक्रिया की जवाबदेही जैसे पहलू शामिल हैं। किसी भी बड़े धार्मिक संस्थान में प्रतिदिन बड़ी मात्रा में नकदी और अन्य मूल्यवान वस्तुएं प्राप्त होती हैं। इसलिए ऐसी संस्थाओं में केवल ईमानदारी पर्याप्त नहीं होती बल्कि मजबूत संस्थागत व्यवस्था भी उतनी ही आवश्यक होती है। विशेष जांच दल की कार्रवाई ने यह संकेत दिया है कि मामला केवल अनुमान के आधार पर नहीं चल रहा है। उपलब्ध समाचारों के अनुसार कई लोगों से पूछताछ की जा चुकी है और 8 लोगों को हिरासत में लिया गया है। इससे यह स्पष्ट होता है कि जांच एजेंसियां संभावित भूमिका निभाने वाले सभी व्यक्तियों तक पहुंचने का प्रयास कर रही हैं। हालांकि किसी भी व्यक्ति की अंतिम जिम्मेदारी या दोष का निर्धारण केवल न्यायिक प्रक्रिया के बाद ही माना जाएगा।

यह मामला इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि धार्मिक संस्थानों में आने वाला धन सामान्य सरकारी राजस्व नहीं होता। यह सीधे श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा होता है। कोई व्यक्ति अपनी इच्छा से चढ़ावा देता है और उसे विश्वास होता है कि उसका योगदान उसी उद्देश्य के लिए उपयोग होगा जिसके लिए वह अर्पित किया गया है। यदि इस विश्वास पर प्रश्नचिह्न लगता है तो उसका प्रभाव केवल संबंधित संस्था तक सीमित नहीं रहता बल्कि व्यापक सामाजिक विश्वास पर भी पड़ सकता है।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार जांच में वित्तीय लेनदेन के साथ-साथ संबंधित व्यक्तियों की संपत्तियों और आर्थिक गतिविधियों की भी पड़ताल की जा रही है। यदि किसी व्यक्ति की घोषित आय और वास्तविक संपत्ति के बीच असामान्य अंतर पाया जाता है तो जांच एजेंसियां उस पहलू को भी जांच के दायरे में ले सकती हैं। हालांकि अभी तक किसी भी व्यक्ति के विरुद्ध अंतिम निष्कर्ष घोषित नहीं हुआ है और जांच जारी है।

इस पूरे घटनाक्रम ने एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक प्रश्न भी खड़ा किया है। किसी भी संस्था में नियम केवल कागज पर लिखे रहने के लिए नहीं बनाए जाते। उनका उद्देश्य जोखिम को कम करना और जवाबदेही सुनिश्चित करना होता है। यदि संयुक्त उपस्थिति, अभिलेख सत्यापन, निगरानी और नियमित निरीक्षण जैसे नियमों का पालन नहीं किया गया तो भविष्य में ऐसी घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए जांच एजेंसियां केवल यह नहीं देखतीं कि कथित चोरी किसने की, बल्कि यह भी देखती हैं कि उसे रोकने वाली व्यवस्था क्यों असफल हुई।

देश के अनेक बड़े मंदिरों में अब आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। उच्च गुणवत्ता वाले निगरानी उपकरण, डिजिटल अभिलेख, स्वचालित गिनती प्रणाली और बहुस्तरीय सत्यापन जैसी व्यवस्थाएं धीरे धीरे सामान्य होती जा रही हैं। ऐसे में यदि किसी स्थान पर निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं होता तो यह प्रशासनिक दृष्टि से गंभीर विषय बन जाता है।

मामले ने राजनीतिक प्रतिक्रिया भी उत्पन्न की है। विपक्षी दलों ने निष्पक्ष जांच, स्वतंत्र लेखा परीक्षण और पूरी जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग उठाई है। दूसरी ओर जांच एजेंसियां अपने स्तर पर साक्ष्य जुटाने में लगी हैं। ऐसे मामलों में राजनीतिक बयान और कानूनी जांच को अलग-अलग दृष्टि से देखना आवश्यक होता है। अंतिम सत्य केवल साक्ष्यों और न्यायिक प्रक्रिया से ही सामने आता है। रिपोर्टों के अनुसार इस प्रकरण के बीच ट्रस्ट स्तर पर भी महत्वपूर्ण बैठकों की तैयारी की गई है। इन बैठकों में प्रशासनिक ढांचे, भविष्य की कार्यप्रणाली और आवश्यक सुधारों पर विचार होने की संभावना जताई गई है। यदि ऐसा होता है तो यह केवल वर्तमान विवाद का समाधान नहीं होगा बल्कि भविष्य में ऐसी आशंकाओं को कम करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है। इस मामले से एक व्यापक सीख भी मिलती है। किसी भी संस्था की विश्वसनीयता केवल उसके उद्देश्य से नहीं बल्कि उसकी कार्यप्रणाली से भी तय होती है। जितनी बड़ी संस्था होगी, उतनी ही मजबूत उसकी वित्तीय व्यवस्था और आंतरिक निगरानी होनी चाहिए।

(यह लेखक के निजी विचार है)

बेटा...अपने पिता का पिता

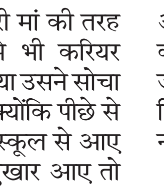

प्रतिभा श्रीवास्तव अंश
लेखिका

शाएक बेटा तब पिता नहीं बनता, जब उसे संतान की प्राप्ति होती है,बेटे का पिता बनने की यात्रा तो उस दिन से शुरू हो जाता, जब वह पहली बार अपने माता-पिता से दूर होता है।

अपने सपनों की गठरी कंधे पर लादे जब वह किसी दूसरे शहर की ओर निकलता है, तब उसके साथ उसकी महत्वाकांक्षाएं व सपनों के साथ-साथ माता-पिता की चिंताएं भी उसके साथ चल पड़ती हैं। कहीं दूर वह नौकरी करता है, संघर्ष करता है, हँसता है, लोगों से मिलता है, जीवन में आगे बढ़ता

है,पर उसके भीतर का एक कोना हमेशा घर के आँगन माता- पिता में अटका रहता,उलझा रहता.....

धीरे-धीरे उसे एहसास होने लगता है कि अब माँ से पहले जैसा काम नहीं होता,माँ अब थकने लगी हैं... पिता की चाल में साफ बदलाव दिखता। फ़ोन पर माँ का कहना मैं ठीक हूँ और पिता का बोलना तुम अपनी चिंता करो,यहाँ सब ठीक है.... यह बात भी बेटे को पूरी तरह आश्वस्त नहीं कर पाता। उम्र के साथ अपने जन्मदाता के शरीर में उतरती थकान और बीमारियों का स्थायी डेरा बनते देखना, बेटे के मन को एक अनजाने भय से भर देता...इस भय का इलाज किसी नीम-हकीम,वैध, डॉक्टर के पास नहीं...

पक्का तो नहीं पर मुझे लगता है कि शायद यही वह समय होता है, जब एक बेटा अपने माता-पिता का पिता बनने लगता है.... अब वह दवाइयों के समय याद रखता, डॉक्टरों के नंबर संभालने लगता, माता-पिता के जांच रिपोर्टों में उलझा,एक बेटा कब अपने ही माता पिता का पिता बन बैठा.... इसकी खबर माता-पिता को भी नहीं होती....

और एक दृश्य अस्पताल का आईसीयू वार्ड...

काँच के उस तरफ लेटे अपने जन्मदाताओं को खाली आँखों से ताकते रहना , जिनका जीवन अब लाइफ़ सपोर्ट के सहारे चल रहा..

शरीर में लगी अनगिनत नलियाँ, मॉनिटर पर भागती आरी/ तिरछी रेखाएँ, कैथेटर बैग, इंजेक्शन, दवाइयाँ और अनगिनत यंत्रों के बीच अपने जन्मदाता को देह छोड़ते देखना.... जिसने हमें जीवन दिया।उसका जीवन से गायब हो जाने की शंका....उफ्फ्फ **समझ नहीं पा रही इस पीड़ा को कैसे परिभाषित करूं....**

कौन सा शब्द उठाकर उन पिताओ के कलेजे पर रख दू, जो अपने अभिभावकों के अभी अभी पिता बने है....कौन सा वाक्य बोलू जिससे उन्हें थोड़ी तो हिम्मत मिले... शायद इस समय संसार का सबसे असहाय व्यक्ति वही बेटा है,जो आईसीयू वार्ड के बाहर प्रार्थना कर रहा...कि सब अच्छा हो जाये...इस समय उसके भीतर का बच्चा रोना चाहता है, लेकिन बाहर खड़ा व्यक्ति मजबूत दिखने की कोशिश में है। वह डॉक्टरों से प्रश्न करता , रिश्तेदारों को फोन करता , कागज़ों पर हस्ताक्षर करता है, बिल जमा करने की अफरा-तफरी में है और इसी सबके बीच चुपचाप वह पिता का पिता बन रहा होता...

उस दिन उसे पहली बार समझ आता है कि पिता होना केवल किसी का जन्मदाता होना नहीं होता। पिता होना किसी प्रिय के जीवन के लिए हर पल भय में जीना होता है, उसकी पीड़ा को अपनी छाती से लगाये हुये ढोना होता है और टूटते हुए हर सांस के साथ टूटना होता है.... ऐसे बेटों के लिए मेरे पास कोई जादुई शब्द तो नहीं हैं, जो उनके हृदय को तुरंत राहत पहुँचा सकें क्योंकि कुछ दर्द ऐसे होते हैं जीवन में, जिन्हें शब्द नहीं, केवल समय और प्रेम ही सहला सकते हैं।

(यह लेखिका के निजी विचार है)

न्यूज ब्रीफ

पीओके में पाकिस्तानी सेना की बर्बादी शुरू, सड़कों पर जनसैलाब! मचा हंगामा

नई दिल्ली » कश्मीर पाकिस्तान का हिस्सा नहीं है। पाकिस्तान के टुकड़े-टुकड़े होने की शुरुआत हो चुकी है क्योंकि पीओके में बगावत की आग अब तेजी से भड़क रही है और अब पीओके की आवाम यह ऐलान कर रही है कि वो पाकिस्तानी तानाशाहों से पूरी तरह आजाद है। पीओके के लोग खुद यह ऐलान कर रहे हैं कि पीओके पाकिस्तान का हिस्सा नहीं है और अगर अब हद पार की तो यह भारत के साथ आएंगे। हमें तुम्हारे राशन की जरूरत नहीं है। तुम्हें हमारी जरूरत है। तो हम किसी डिक्टेटर को नहीं मानते। कश्मीर के आवाम किसी डिक्टेटर को कबूल नहीं करेंगे।

यूक्रेनी सेना के पलटवार से भड़का रूस, कीव में रिहायशी इमारतों पर बरसाए बम

नई दिल्ली » रूस ने गुरुवार तड़के यूक्रेन की राजधानी कीव पर मिसाइलों और सुसाइड ड्रोन से अब तक का सबसे बड़ा हमला किया है। इस अचानक और भारी बमबारी ने कीव शहर को पूरी तरह से हिलाकर रख दिया। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, इस भीषण हमले में अब तक 8 लोगों की जान जा चुकी है और 39 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। कीव में बुधवार की देर रात अचानक हवाई हमले के सायरन बजने लगे, जिससे पूरे शहर में अफरा-तफरी मच गई। सायरन बजने के कुछ ही देर बाद रूस की तरफ से खतरनाक बैलिस्टिक मिसाइलें और ड्रोन गिरने लगे।

ईरान में खामेनेई के लिए मातम

अमेरिका-इज़राइल को चेतावनी-जरा सी गलती पर होगा बड़ा हमला

एजेंसी » नई दिल्ली

ईरान में सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार की तैयारियों के बीच एक बार फिर पश्चिम एशिया का माहौल तनावपूर्ण होता नजर आ रहा है। ईरानी सेना ने अमेरिका और इजरायल को स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि ईरान के खिलाफ किसी भी तरह की सैन्य कार्रवाई या आक्रामक कदम उठाया गया तो उसका तुरंत और बेहद कड़ा जवाब दिया जाएगा। मौजूद जानकारी के अनुसार, अंतिम संस्कार के दौरान पूरे देश में सुरक्षा व्यवस्था को अभूतपूर्व स्तर पर मजबूत किया जा रहा है।

ईरान के खातम अल-अंबिया केंद्रीय मुख्यालय के कमांडर अली अब्दुल्लाही ने सरकारी मीडिया के जरिए जारी बयान में कहा कि ईरान के दुश्मनों, खासकर अमेरिका और इजरायल, को किसी भी गलत आकलन से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि देश की संप्रभुता या सुरक्षा को किसी भी तरह की चुनौती दी गई तो ईरान की सशस्त्र सेनाएं निर्णायक और कठोर जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है।

बता दें कि अयातुल्ला अली खामेनेई की युद्ध के पहले दिन हुए हवाई हमलों में मृत्यु होने के बाद पूरे ईरान में शोक का माहौल है। सरकार ने उनके अंतिम संस्कार के लिए कई दिनों तक चलने वाले कार्यक्रमों की घोषणा की है। मौजूद जानकारी के अनुसार, अंतिम यात्रा चार जुलाई से राजधानी तेहरान में शुरू होगी और नौ जुलाई को उनके पैतृक शहर मशहद में दफन के साथ संपन्न होगी। इस दौरान कुम सहित अन्य धार्मिक स्थलों और इराक में भी श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। गौरतलब है कि इससे एक दिन पहले ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने भी अमेरिका और इजरायल को चेतावनी दी थी। उनका कहना था कि यदि ईरान की जनता या देश के शीर्ष नेतृत्व को किसी भी प्रकार का खतरा पहुंचाने की कोशिश की गई तो उसका तत्काल और शक्तिशाली जवाब दिया जाएगा। यह बयान उस समय आया जब इजरायल के रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने ईरान के वर्तमान सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई को लेकर विवादित टिप्पणी की थी।

मौजूद जानकारी के अनुसार, ईरान के नागरिक उड्डयन संगठन ने भी कई शहरों के हवाई क्षेत्र में अस्थायी प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है। अधिकारियों का कहना है कि अंतिम संस्कार के दौरान हवाई सुरक्षा सुनिश्चित करने और किसी भी संभावित खतरे को रोकने के लिए यह कदम उठाया गया है। इससे कुछ घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के संचालन पर भी असर पड़ सकता है।

थाईलैंड त्रासदी: 11 साल के बच्चे ने 8 बौद्ध भिक्षुओं को रौंदा, तीर्थयात्रा पर थे सभी

नई दिल्ली » थाईलैंड के उत्तर-पूर्वी इलाके से एक बेहद दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई है। गुरुवार को एक 11 साल के लड़के ने पिकअप ट्रक चलाते हुए तीर्थयात्रा पर पैदल जा रहे भिक्षुओं के एक समूह को बुरी तरह कुचल दिया। इस भयानक सड़क दुर्घटना में 8 भिक्षुओं की मौत हो गई है, जबकि 14 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। बताया जा रहा है कि मुकदहन प्रांत के रहने वाले कुल 35 भिक्षु इस धार्मिक यात्रा पर निकले थे। मुकदहन प्रांत के गवर्नर वोरयान बूननारत ने हादसे की जानकारी देते हुए बताया कि 5 भिक्षुओं की मौत दुर्घटना वाली जगह पर ही हो गई थी, जबकि 3 अन्य ने अस्पताल ले जाने के बाद इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। उन्होंने आगे बताया कि घायल हुए 14 अन्य लोगों को तुरंत पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें से 4 भिक्षुओं की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। यह पूरा समूह इस हादसे से महज 30 मिनट पहले ही उबोन रत्चाथानी प्रांत के लिए 260 किलोमीटर लंबी पैदल यात्रा पर निकला था।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बड़ी चूक!

सुप्रीम कोर्ट ने पकड़े 6 मनगढ़ंत फैसले

एनसीएलटी-एनसीएलएटी के आदेश निरस्त

एजेंसी » नई दिल्ली

न्यायिक प्रणाली और कानूनी तकनीक के इतिहास में एक बेहद महत्वपूर्ण और दूरगामी फैसला सामने आया है। सुप्रीम कोर्ट ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस द्वारा बनाए गए फर्जी और काल्पनिक कानूनी उदाहरणों के आधार पर दिए गए ट्रिब्यूनल के आदेशों को पूरी तरह निरस्त कर दिया है। शीर्ष अदालत ने नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल और नेशनल कंपनी लॉ अपीलेट ट्रिब्यूनल के फैसलों को खारिज करते हुए कानूनी व्यवस्था में 'AI हैलुसिनेशन' से होने वाले गंभीर खतरों पर कड़ी चेतावनी दी है। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की पीठ ने इस मामले की गंभीरता को देखते हुए बार काउंसिल ऑफ इंडिया को एक विशेषज्ञ समिति गठित करने का ऐतिहासिक निर्देश दिया है। यह समिति न्यायिक कार्यवाही और वकालत में एआई के बढ़ते इस्तेमाल से पैदा होने वाली चुनौतियों और इसके सुरक्षित दायरे की जांच करेगी। अदालत ने स्पष्ट किया कि यह मामला केवल एक गलत फैसले को सुधारने का नहीं था, बल्कि भविष्य के लिए न्यायपालिका का दृष्टिकोण तय करने का एक बड़ा अवसर था। बेंच ने जोर देकर कहा कि भले ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जजों और वकीलों की शोध में मदद कर सकता है, लेकिन यह कभी भी इंसानी विवेक, चेतना और सोच-समझ की जगह नहीं ले सकता। अदालत के शब्दों में, न्यायिक कार्यवाही हर चरण में इंसानों के पूरी तरह और पूर्ण नियंत्रण में होनी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने लाइव लॉ के अनुसार न्याय प्रणाली में एआई के इस अनियंत्रित उपयोग की तुलना एक भीषण त्रासदी से करते हुए बेहद तीखी टिप्पणी की: हमारे लिए, यानी उन लोगों के लिए जो विवादों के निपटारे और फैसले लेने के पवित्र काम में लगे हैं, AI का यह नतीजा— यानी नकली, गैर-मौजूद और काल्पनिक सामग्री बनाना और कानून में मिसाल के तौर पर उसका इस्तेमाल करना— कानून और न्याय के क्षेत्र में मिथाइल आइसोसाइनेट गैस (भोपाल गैस त्रासदी) के रिसाव जैसा है। यह अदृश्य रूप से खतरनाक है और जब तक किसी को इसका पता चलता है, तब तक यह पूरी व्यवस्था के लिए विनाशकारी हो चुका होता है। पीठ ने साफ किया कि एआई सिस्टम में प्रॉम्प्ट का जवाब देते समय ऐसी नकली और मनगढ़ंत जानकारी उत्पन्न करने की एक अंतर्निहित प्रवृत्ति होती है।

क्या है पूरा मामला?
यह कानूनी विवाद जम्मू एंड कश्मीर बैंक लिमिटेड द्वारा इंसॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड की धारा 7 के तहत एसेल इंफ्राप्रोजेक्ट्स लिमिटेड के खिलाफ शुरू की गई दिवालियापन की कार्यवाही से जुड़ा था। ईआईएल ने पैन इंडिया यूटिलिटीज डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड को दी गई क्रेडिट सुविधाओं के लिए कॉर्पोरेट गारंटी दी थी। एनसीएलटी मुंबई ने 28 अगस्त 2024 को 87.43 करोड़ रुपये के डिफॉल्ट का संज्ञान लेते हुए दिवालियापन की याचिका को स्वीकार किया था, जिसे बाद में 11 सितंबर 2025 को एनसीएलटी ने भी बरकरार रखा।

यूएस ने रूस से लिंक पर 4 भारतीय कंपनियों से हटाए सैंक्शन

नई दिल्ली » अमेरिकी वित्त विभाग ने अपने नवीनतम प्रतिबंध अपडेट के तहत चार भारतीय संस्थाओं को अपनी विशेष रूप से नामित नागरिकों (एसडीएन) की सूची से हटा दिया है। जिन कंपनियों को लिस्ट से हटाया गया है, उनमें हैदराबाद की आरआरजी इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजीज़ प्राइवेट लिमिटेड और लोकेश मशीन्स लिमिटेड, अहमदाबाद की गैलेक्सी बेयरिंग्स लिमिटेड और दिल्ली की शौर्य एयरोनॉटिक्स प्राइवेट लिमिटेड शामिल हैं। यह कदम उन चार कंपनियों के यूएस के 'ऑफिस ऑफ फॉरेन एसेट्स कंट्रोल' की प्रतिबंध सूची में शामिल होने के लगभग दो साल बाद उठाया गया है। 2024 में ओएफएसी ने एग्जीक्यूटिव ऑर्डर 14024 के तहत 21 भारतीय संस्थाओं – जिनमें 19 कंपनियाँ और दो व्यक्ति शामिल थे – पर प्रतिबंध लगाए थे।

बृजभूषण सिंह पर दिल्ली कोर्ट का फैसला सुरक्षित 3 अगस्त को होगा सजा या रिहाई का ऐलान

एजेंसी » नई दिल्ली

दिल्ली की राउज एवेन्यू अदालत ने महिला पहलवानों द्वारा लगाए गए कथित यौन उत्पीड़न के मामले में पूर्व भारतीय जनता पार्टी सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ दिल्ली पुलिस के केस पर गुरुवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। एडिशनल चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट अश्विनी पंवार ने बताया कि इस मामले में दोषी ठहराने या बरी करने का अंतिम आदेश 3 अगस्त 2026 को सुनाया जाएगा। न्यायाधीश पंवार ने महिला पहलवानों की ओर से पेश वरिष्ठ वकील रेबेका जॉन, बृजभूषण शरण सिंह के वकील राजीव मोहन और दिल्ली सरकार के सरकारी वकील की अंतिम दलीलें सुनने के बाद यह फैसला सुरक्षित रखा। यह पूरा मामला छह महिला पहलवानों द्वारा बृजभूषण सिंह के खिलाफ लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोपों से जुड़ा है, जिनकी शिकायतों के आधार पर दिल्ली पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की थी। दिल्ली पुलिस ने 15 जून 2023 को बृजभूषण सिंह के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की कई गंभीर धाराओं के तहत चार्जशीट दाखिल की थी, जिनमें धारा 354, धारा 354A, धारा 354D और धारा 506(1) शामिल है।

इसके बाद ट्रायल कोर्ट ने 10 मई 2024 को पांच महिला पहलवानों के उत्पीड़न के मामले में सिंह के खिलाफ आरोप तय किए थे। कोर्ट ने माना था कि उनके खिलाफ केस चलाने के लिए रिकॉर्ड पर पर्याप्त सबूत मौजूद हैं। अदालत ने इस मामले में सह-आरोपी और कुश्ती महासंघ के पूर्व सहायक सचिव विनोद तोमर पर भी एक पीड़िता को डराने-धमकाने के आरोप में आपराधिक धमकी (धारा 506) का केस तय किया था। आपको बता दें कि एक नाबालिग पहलवान ने भी बृजभूषण सिंह पर आरोप लगाए थे, लेकिन बाद में उसने अपनी शिकायत वापस ले ली थी, जिसके बाद दिल्ली पुलिस की कैंसलेशन रिपोर्ट के आधार पर पोक्सो एक्ट के तहत दर्ज उस मामले को बंद कर दिया गया था।

भारत-बांग्लादेश सीमा पर स्मार्ट फेंसिंग का काम और तेज

नई दिल्ली » पश्चिम बंगाल की भारत बांग्लादेश सीमा पर अब हालात तेजी से बदल रहे हैं। मुर्शिदाबाद के जलंगी गांव से लेकर कूचबिहार, उत्तर चौबीस परगना और सिलीगुड़ी तक सीमा सुरक्षा को अभेद्य बनाने का अभियान तेज हो चुका है। वर्षों तक राजनीतिक टकराव, ढीले रवैये और स्थानीय विवादों में उलझी सीमा अब नई तकनीक और सख्त प्रशासनिक फैसलों के सहारे मजबूत की जा रही है। इस पूरी कवायद का सबसे स्पष्ट संदेश है कि भारत की सीमा अब किसी भी घुसपैठिए के लिए खुला रास्ता नहीं रहने वाली। मुर्शिदाबाद के जलंगी गांव में उमस भरी दोपहर के बीच निर्माण कार्य जारी है और सीमा के किनारे लोहे के खंभे, कंटीले तार, बुलडोजर और सीमा सुरक्षा बल के जवान एक नई तस्वीर पेश कर रहे हैं। यहां अत्याधुनिक स्मार्ट फेंसिंग का काम तेजी से चल रहा है।

स्पोर्ट्स ब्रीफ

एशियाई खेल: गोल्ड बचाने उतरेंगे नीरज चोपड़ा, अरशद नदीम से महामुकाबला

नई दिल्ली » भारतीय भाला फेंक के सुपरस्टार नीरज चोपड़ा सितंबर-अक्टूबर में जापान में होने वाले एशियाई खेलों में अपने खिताब का बचाव करने के लिए मैदान पर उतरेंगे। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) की चयन समिति के अध्यक्ष आदिल सुमारीवाला ने शनिवार को इसकी पुष्टि की। चोपड़ा सितंबर 2025 में तोक्यो विश्व चैंपियनशिप से पहलेपीठ के निचले हिस्से में लगी चोट से उबर गए हैं। उन्होंने हाल में दोहा डायमंड लीग से अपने सत्र की शुरुआत की, जहां उन्होंने 85.69 मीटर के थ्रो के साथ चौथा स्थान हासिल किया।

इंजरी टाइम में यूस्टाकियो का गोल, द.अफ्रीका को हराकर कनाडा अंतिम 16 में पहुंचा

नई दिल्ली » स्टीफन यूस्टाक्वियो ने दूसरे हाफ के इंजरी टाइम के दूसरे मिनट में गोल किया जिससे कनाडा ने विश्व का फुटबॉल के पहले नॉकआउट मैच में दक्षिण अफ्रीका को 1-0 से हराकर अंतिम 16 में प्रवेश किया। सोफी स्टेडियम में 90 मिनट से अधिक समय तक निराशा और दक्षिण अफ्रीका की रक्षात्मक रणनीति का जवाब देने में नाकामी के बाद कनाडा ने एक पल में इतिहास रच दिया जब एलिस्टर जॉनसन ने यूस्टाक्वियो का पेनल्टी बॉक्स में ऊंचा पास दिया। लॉस एंजिलिस एफसी के लिए खेलने वाले मिडफील्डर यूस्टाक्वियो ने गेंद को सीने से रोका और फिर नेट के निचले कोने में जोरदार शॉट मारकर गोल कर दिया।

हॉकी प्रो लीग में भारत का इंग्लैंड से बदला

शूटआउट में 3-2 से जीता रोमांचक मुकाबला

एजेंसी » नई दिल्ली

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने हॉकी प्रो लीग के अपने आखिरी मुकाबले में शानदार जुझारूपन दिखाते हुए इंग्लैंड को रोमांचक शूटआउट में 3-2 से हराकर पिछली हार का हिसाब बराबर कर लिया। तय समय तक दोनों टीमों के बीच कोई गोल नहीं हो सका, लेकिन शूटआउट में भारतीय खिलाड़ियों ने दबाव के बीच बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए जीत के साथ बोनस अंक भी अपने नाम कर लिया। अब भारतीय टीम आगामी अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ विश्व कप की तैयारियों पर पूरा ध्यान लगाएगी। बता दें कि यह मुकाबला शुरुआत से ही बेहद संघर्षपूर्ण रहा। इंग्लैंड ने पहले ही चरण से आक्रामक खेल दिखाया और लगातार भारतीय गोल पर दबाव बनाया। शुरुआती मिनटों में सैम वार्ड को यशदीप सिंह द्वारा रोके जाने के बाद इंग्लैंड को पेनाल्टी का मौका मिला। हालांकि भारतीय गोलकिपर मोहित शशिकुमार ने शानदार दोहरे बचाव के साथ पहले सैम वार्ड और फिर सानफोर्ड के प्रयास को भी नाकाम कर दिया। उनके इस प्रदर्शन ने भारत को शुरुआती बढ़त से बचाए रखा। पहले चरण में भारत को सबसे अच्छा मौका अभिषेक के जरिए मिला, लेकिन वह भी गोल में नहीं बदल सका। दूसरी ओर इंग्लैंड लगातार आक्रमण करता रहा। दूसरे चरण में भी इंग्लैंड ने गेंद पर अधिक नियंत्रण बनाए रखा और कई मौके बनाए। बंडुराक

गोल करने के करीब पहुंचे, जबकि भारत की ओर से जरमनप्रीत सिंह ने एक मजबूत प्रयास किया, जिसे इंग्लैंड के गोलकिपर ने रोक दिया। भारतीय डिफेंस लाइन ने लगातार संयम बनाए रखा और हॉफ-टाइम तक मुकाबला गोलरहित रहा।

गौरतलब है कि हॉफ के बाद भारतीय टीम ने अपने खेल की गति बढ़ा दी। हार्दिक सिंह ने शानदार आक्रमण तैयार करते हुए मनदीप सिंह को बेहतरीन मौका दिया, लेकिन इंग्लैंड के गोलकिपर ने एक बार फिर शानदार बचाव कर भारत को बढ़त लेने से रोक दिया। तीसरे चरण के आखिरी समय में मुकाबले का सबसे अहम मोड़ आया। यशदीप सिंह पर हेनरी क्रॉफ्ट को रोकने का आरोप लगाते हुए इंग्लैंड को पेनाल्टी दिया गया। हालांकि भारतीय टीम ने तुरंत रिव्यू की मांग की। दोबारा देखे गए दृश्य में साफ पता चला कि यशदीप सिंह ने गेंद पर पहले नियंत्रण बनाया था। इसके बाद रेफरियों ने अपना फैसला बदल दिया और इंग्लैंड का पेनाल्टी रद्द कर दिया। अंतिम चरण में इंग्लैंड ने लगातार दबाव बनाए रखा, लेकिन भारतीय गोलकिपर संजय करकेरा ने कई शानदार बचाव किए।

यूएस ओपन फ़ाइनल में खिताब से चूके श्रीकांत किदांबी, मिली हार

नई दिल्ली » भारत के किदांबी श्रीकांत को अपने से नौ साल छोटे चीनी ताइपे के सु ली यांग के सामने कड़ी चुनौती पेश करने के बावजूद अमेरिकी ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के फाइनल में तीन गेम तक चले मैच में हार का सामना करना पड़ा। विश्व रैंकिंग में 38वें नंबर के खिलाड़ी श्रीकांत ने पहला गेम गंवाने के बाद अच्छी वापसी की लेकिन वह विश्व में 46वें नंबर के खिलाड़ी सु की गति का मुकाबला नहीं कर पाए और आखिर में एक घंटे से अधिक समय तक चले मैच में 15-21, 21-16, 9-21 से हार गए। श्रीकांत ने पिछले साल मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 और सैयद मोदी इंटरनेशनल सुपर 300 में भी दूसरा स्थान हासिल किया था। सत्र का अपना पहला फाइनल खेल रहे श्रीकांत की गलतियों का फायदा उठाकर सु ने पहले गेम में अच्छी शुरुआत की और 7-2 की बढ़त बना ली। श्रीकांत ने वापसी करते हुए अगले 11 में से आठ अंक जीते और स्कोर 10-10 से बराबर कर दिया। हालांकि ब्रेक के बाद चीनी ताइपे के शटलर ने वापसी करते हुए रैलियों की गति तेज कर दी और 17-12 से बढ़त बना ली।

विम्बलडन 2026: ब्रिटेन को घर में डबल झटका

ब्रिटेन, एम्मा रादुकानू के बाद पहले ही दिन सभी 10 खिलाड़ी बाहर

एजेंसी » नई दिल्ली

विंबलडन 2026 की शुरुआत मेजबान ब्रिटेन के लिए उम्मीदों के बिल्कुल उलट रही। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले ही देश के दो सबसे बड़े टेनिस सितारे एमा राडुकानू और जैक ड्रेपर चोट के कारण प्रतियोगिता से बाहर हो गए। इसके बाद पहले दिन कोर्ट पर उतरे घरेलू खिलाड़ियों का प्रदर्शन भी बेहद निराशाजनक रहा। मौजूद जानकारी के अनुसार, अपने पहले दौर के मुकाबले पूरे करने वाले सभी 10 ब्रिटिश खिलाड़ी हारकर प्रतियोगिता से बाहर हो गए, जबकि एक अन्य खिलाड़ी का मुकाबला खराब रोशनी के कारण बीच में रोकना पड़ा। बता दें कि वर्ष 2021 में अमेरिका ओपन जीतकर दुनिया को चौंकाने वाली एमा राडुकानू ने टूर्नामेंट शुरू होने से ठीक एक दिन पहले पैर में तनावजनित फ्रैक्चर के कारण अपना नाम वापस ले लिया। हाल के दिनों में उनका प्रदर्शन लगातार बेहतर हो रहा था। इसी महीने उन्होंने क्वींस क्लब घास के कोर्ट प्रतियोगिता के फाइनल तक पहुंचकर शानदार लय दिखाई थी। ऐसे में घरेलू दर्शकों को उनसे बड़ी उम्मीदें थीं। उधर ब्रिटेन के शीर्ष पुरुष खिलाड़ी जैक ड्रेपर ने भी लंबे समय से चली आ रही हाथ की चोट के कारण विंबलडन से हटने का फैसला किया। गौरतलब है कि पिछले वर्ष वह प्रतियोगिता में चौथी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी थे और वर्ष 2024 के अमेरिका ओपन के सेमीफाइनल तक भी पहुंचे थे। इस बार उनका पहले दौर में अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज से मुकाबला होना था।

फीफा विश्व कप 2026: अमेरिका की ऐतिहासिक जीत में चमके और विलेन बने फोलारिन बालोगुन

एजेंसी » नई दिल्ली

फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ 32 के एक बेहद रोमांचक नॉकआउट मुकाबले में संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए) ने बोस्निया और हर्जेगोविना को 2-0 से हराकर राउंड ऑफ 16 में प्रवेश कर लिया है। गुरुवार को खेले गए इस मुकाबले में अमेरिका ने बोस्निया के वर्ल्ड कप के सफर को यहीं समाप्त कर दिया। हालांकि, यूएसए के स्टार स्ट्राइकर फोलारिन बालोगुन के लिए यह रात किसी रोलर-कोस्टर राइड जैसी रही, जहां उन्होंने गोल दागकर इतिहास तो रचा, लेकिन एक बड़ी गलती के कारण रेड कार्ड खाकर टीम की मुश्किलें भी बढ़ा दीं। 32वें मिनट में बालोगुन का एक गोल ऑफसाइड होने के कारण रद्द कर दिया गया था, लेकिन 45वें मिनट में उन्होंने अपने बाएं पैर से गोलकीपर निकोला वासिलज और दूर वाले पोस्ट के बीच से गेंद को नेट में डालकर इस वर्ल्ड कप में अपना तीसरा गोल किया। हालांकि, 64वें मिनट में मुहरमोविच के दाहिने टखने पर पैर रखने के कारण उन्हें मैदान से बाहर भेज दिया गया। यूएसए ने एक और गोल करके बोस्निया को हराया और राउंड ऑफ़ 16 में बेल्जियम के खिलाफ मुकाबला तय किया। इस बीच, बालोगुन ने टूर्नामेंट के इतिहास में एक अनोखा रिकॉर्ड बनाया है। बालोगुन यूएसए के पहले और टूर्नामेंट के इतिहास में कुल मिलाकर चौथे ऐसे खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने वर्ल्ड कप नॉकआउट मैच में गोल किया और रेड कार्ड भी पाया।

एशियाई युवा चैंपियनशिप: टीम इंडिया का दमदार प्रदर्शन, पदक पक्का

नई दिल्ली » भारत की अंडर-19 लड़कों की टीम ने सोमवार को बैंकॉक में एशियाई युवा चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में हांगकांग को 3-1 से हराकर कम से कम कांस्य पदक और अगले साल होने वाली विश्व युवा टेबल टेनिस चैंपियनशिप में सीधे प्रवेश पक्का कर लिया। हांगकांग ने शुरुआती बढ़त बनाई जब ली की हो ने प्रियानुज भट्टाचार्य को 11-6, 7-11, 11-8, 11-8 से हराया। भारत ने पीबी अभिनंद के एक कड़े मुकाबले में वोंग एल्विन पर 8-11, 11-7, 11-3, 5-11, 11-4 की जीत से जल्द ही बराबरी कर ली। फिर एमआर बालमुरुगन ने लो का किट को 11-8, 11-4, 11-7 से हराकर भारत को बढ़त दिलाई।

कोर्ट पर लौटीं सेरेना विलियम्स, हार के बावजूद 120 मील/घंटा की सर्विस से दुनिया को किया हैरान

एजेंसी » नई दिल्ली

टेनिस इतिहास की सबसे महान खिलाड़ियों में शुमार अमेरिका की सेरेना विलियम्स ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि उम्र और कोर्ट से दूरी उनके फौलादी जज्बे को कम नहीं कर सकती। लगभग चार साल के लंबे अंतराल के बाद विंबलडन के ग्रास कोर्ट पर अपना पहला एकल मैच खेलने उतरीं 44 वर्षीय सेरेना विलियम्स को भले ही पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा हो, लेकिन उनके खेल के स्तर और कोर्ट पर उनकी ताकत ने टेनिस जगत को दांतों तले उंगली दबाने पर मजबूर कर दिया है। मंगलवार को खेले गए इस ऐतिहासिक मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया की 20 वर्षीय उभरती हुई खिलाड़ी माया ज्वाइंट ने सेरेना को तीन सेटों तक चले कड़े संघर्ष में 6-3, 6-7, 6-3 से हरा दिया। हालांकि, इस हार के बावजूद सेरेना की खेल भावना और कोर्ट पर उनकी वापसी की चारों तरफ जमकर सराहना हो रही है।

कोको गॉफ ने सेरेना का मैच देखने के लिए अपना डिनर जल्दी खत्म कर दिया। गॉफ ने बुधवार को कहा, ''मुझे लगता है कि सेरेना का स्तर जबरदस्त था। इससे और भी साबित होता है कि उम्र और बाकी चीजों के बावजूद वह गोट (सर्वकालिक महान खिलाड़ी) हैं। मुझे नहीं पता कि चार साल तक नहीं खेलने के बाद भी वह उस स्तर पर कैसे खेल सकती हैं। इस टूर्नामेंट से दो हफ्ते पहले नहीं खेलने पर ही मैं नर्वस हो गई थी। मैं चार साल के बारे में सोच भी नहीं सकती।'

नया प्रोजेक्ट

कबीर बहिया संग फोटो की शेयर

कृति सेनन का ब्रेकअप की अफवाहों पर फुल स्टॉप

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन और बिजनेसमैन कबीर बहिया के अफेयर की चर्चा लंबे समय से चल रही है। हाल ही में कबीर की एक अन्य महिला के साथ तस्वीर वायरल होने के बाद दोनों के ब्रेकअप की अफवाहें उड़ने लगी थीं। हालांकि, कृति ने कबीर के साथ अपनी एक बेहद करीबी और प्यारी तस्वीर शेयर करके इन सभी अफवाहों को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। इसके साथ ही एक इंटरव्यू में उन्होंने अपने इस रिश्ते को लेकर खुलकर बात भी की है।

» **फोटो एलबम में दिखी कबीर की झलक...** कृति सेनन ने सोशल मीडिया पर पिछले छह महीनों की कुछ अनदेखी तस्वीरें शेयर की हैं। इस एलबम में उनकी जिंदगी की छोटी-बड़ी झलकियां देखने को मिल रही हैं, जैसे उनकी कुछ सेल्फी, पालतू कुत्ते के साथ सफर, एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना के साथ गले मिलने की फोटो और बहन नुपुर सेनन के साथ बर्फबारी का मजा लेते हुए तस्वीरें। इन सब में सबसे ज्यादा ध्यान कबीर बहिया के साथ वाली फोटो ने खींचा, जिसमें दोनों एक लाइव शो देखते हुए एक-दूसरे को पकड़े नजर आ रहे हैं। कृति ने इस पोस्ट के साथ लिखा कि ये बीते छह महीनों की कुछ ऐसी यादें हैं जो पहले सोशल मीडिया पर नहीं आ पाई थीं।

» **वायरल फोटो का सच आया सामने...** पिछले हफ्ते कबीर बहिया की एक शादी के दौरान किसी दूसरी महिला के साथ तस्वीर सामने आई थी, जिसके बाद लोगों ने कयास लगाने शुरू कर दिए थे कि कृति और कबीर का ब्रेकअप हो गया है। लेकिन कृति की नई पोस्ट ने इन दावों को गलत साबित कर दिया है। वहीं, कबीर के करीबी सूत्रों ने बताया कि उस वायरल फोटो को गलत तरीके से पेश किया गया था। वह महिला कबीर के पारिवारिक मित्र की बेटी है और कबीर उसे अपनी बहन जैसा मानते हैं।

» **निजी जिंदगी पर क्या बोलीं कृति?** हाल ही में एक बातचीत के दौरान कृति से पूछा गया कि उनकी बहन नुपुर सेनन की शादी में कबीर बहिया भी शामिल हुए थे, तो उनके रिश्ते का क्या सच है? इस पर कृति ने सीधे तौर पर कोई जवाब तो नहीं दिया, लेकिन साफ किया कि वह अपनी निजी जिंदगी को छुपाकर रखना पसंद करती हैं।

मुंबई की बारिश में डूबा टीवी एक्ट्रेस अशनूर कौर का 4 करोड़ का आशियाना

मुंबई में हो रही भारी बारिश अब टीवी की मशहूर एक्ट्रेस अशनूर कौर के लिए बड़ी मुसीबत बन गई है। बारिश के कारण उनका करोड़ों का आलीशान

घर पानी से पूरी तरह भर गया है। अशनूर ने खुद अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वीडियो शेयर कर इस बात की जानकारी दी है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि उनके घर के अंदर चारों तरफ पानी भरा हुआ है। वीडियो में घर के लोग और स्टाफ वाइपर लेकर पानी को बाहर निकालने और सफाई करने में जुटे हुए हैं। हालत इतनी खराब थी कि लिविंग रूम में बिछी महंगी कालीन भी पानी में पूरी तरह डूब गई। कालीन ज्यादा खराब न हो, इसलिए वहां मौजूद कर्मचारियों ने उसे तुरंत मोड़कर हटाया।

आवारापन 2! 19 साल बाद लौट रहा है इमरान हाशमी का आइकॉनिक किरदार

...लेकिन डायरेक्टर मोहित सूरी क्यों हुए फिल्म से बाहर?

बॉलीवुड के 'सीरियल किसर' और दमदार अभिनेता इमरान हाशमी के करियर की सबसे बेहतरीन फिल्मों में शुमार 'आवारापन' (2007) के फैंस के लिए एक बहुत बड़ी खुशखबरी है। इस कल्ट क्लासिक फिल्म का सीक्वल 'आवारापन 2' बनने जा रहा है, जो पूरे 19 साल बाद बड़े पर्दे पर दस्तक देने के लिए तैयार है। लेकिन इस बार एक बहुत बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। मूल फिल्म का निर्देशन करने वाले मशहूर डायरेक्टर मोहित सूरी इस सीक्वल का हिस्सा नहीं हैं। हाल ही में फिल्म 'सैयारा' की सफलता का लुत्फ उठा रहे मोहित सूरी ने खुद इस बात का खुलासा किया है कि वे 'आवारापन 2' को डायरेक्ट क्यों नहीं कर रहे हैं। 'आवारापन 2' को लेकर चल रही जबरदस्त चर्चाओं के बीच जब मोहित सूरी से इसके निर्देशन को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने बातचीत में बेहद हैरान करने वाला बयान दिया।

» **मोहित सूरी और इमरान हाशमी की हिट फिल्में...** मोहित सूरी और इमरान हाशमी की जोड़ी बॉलीवुड के सबसे सफल एक्टर-डायरेक्टर कोलैबोरेशन में से एक रही है। सूरी ने 2005 में इमरान हाशमी के साथ 'ज़हर' से अपने डायरेक्शन करियर की शुरुआत की थी। बाद में इस जोड़ी ने कई सफल फिल्मों के लिए साथ काम किया, जिनमें 'कलयुग' (2005), 'आवारापन' (2007) और 'मर्डर 2' (2011) शामिल हैं, और ये सभी फिल्में आज भी फैंस की पसंदीदा हैं।

'आवारापन २' को डायरेक्ट न करने पर मोहित सूरी का बयान...

हालांकि 'आवारापन 2' को लेकर काफी चर्चा है, लेकिन एक जाना-पहचाना चेहरा इसमें वापस नहीं आएगा। डायरेक्टर मोहित सूरी इस सीक्वल को डायरेक्ट नहीं कर रहे हैं। सूरी ने बताया कि उन्हें 'आवारापन 2' को डायरेक्ट करने के लिए कभी अप्रोच नहीं किया गया। उन्होंने कहा, असल में मुझे इसके लिए कभी ऑफर ही नहीं मिला, बस यही बात है। मुझे लगता है कि वे काम करना चाहते थे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। मैं इमरान के साथ तुरंत काम करने को तैयार हो जाऊंगा। उनके साथ दिक्कत यह है कि मैंने उनके साथ आठ फिल्में की हैं। वह मुझे बहुत अच्छी तरह जानते हैं। मुझे उन्हें एक अच्छा रोल देना होगा; मैं उन्हें बस किसी भी रोल के लिए राजी नहीं कर सकता। लेकिन मुझे लगता है कि यह उनके बजाय मेरे लिए ज्यादा फायदेमंद होगा।

1 अरब व्यूज़ पाने वाली बनी पहली मूवी

रकुल की फिल्म 'जया जानकी नायका' का यूट्यूब पर रिकॉर्ड

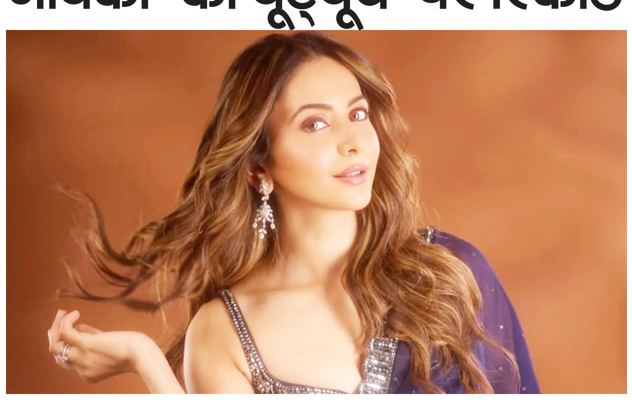

साल 2017 में आई तेलुगु फिल्म 'जया जानकी नायका' ने एक अनोखा रिकॉर्ड अपने नाम किया है। रकुल प्रीत सिंह और बेलमकोंडा श्रीनिवास की इस फिल्म के हिंदी डब वर्जन को यूट्यूब पर 100 करोड़ (1 बिलियन) से ज्यादा बार देखा जा चुका है। दुनिया भर में यह रिकॉर्ड बनाने वाली यह पहली फिल्म बन गई है। इस बड़ी कामयाबी से खुश होकर एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने कहा कि अगर हम इस संख्या की तुलना सिनेमाघरों में जाने वाले लोगों से करें, तो यह एक बहुत बड़ा आंकड़ा है। यह वाकई हैरान करने वाला और शानदार है।

रकुल ने बताया कि उन्हें इस फिल्म को मिल रहे अच्छे व्यूज के बारे में पता तो था, लेकिन 100 करोड़ का आंकड़ा छूना उनके लिए भी एक बड़ा सरप्राइज था। उन्होंने हंसते हुए कहा कि यह सच है या नहीं, इसे देखने के लिए वह खुद यूट्यूब पर गईं। इसके साथ ही उन्होंने इंटरनेट पर चल रही उन खबरों को गलत बताया जिनमें इस फिल्म को फ्लॉप कहा गया था। रकुल ने साफ किया कि जब यह फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी, तब भी इसे दर्शकों का बहुत प्यार मिला था और पूरी टीम ने इसकी सफलता का जश्न मनाया था।

कपल जैसा फील नहीं होता: आकांक्षा

गौरव और मैं तलाक ले रहे... 'अनुपमा' के 'अनुज' की टूटी शादी

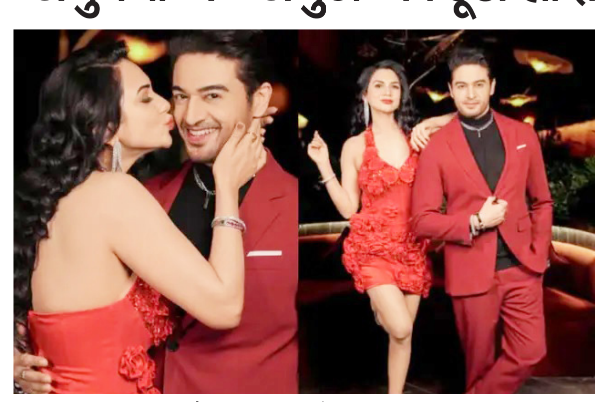

'अनुपमा' फेम गौरव खन्ना की पत्नी और टीवी एक्ट्रेस आकांक्षा चमोला ने रियलिटी शो 'लॉक अप 2' में शॉकिंग खुलासा किया है। एक्ट्रेस ने पहले ही एपिसोड बताया कि वह और गौरव खन्ना अब अलग होने जा रहे हैं। आकांक्षा ने कहा कि दोनों पिछले एक साल से अलग रह रहे हैं। आकांक्षा की इस बात ने शो की होस्ट फराह खान को भी हैरान कर दिया। 'लॉक अप 2' में बात करते हुए आकांक्षा चमोला ने कहा, गौरव खन्ना और मैं तलाक ले रहे हैं। हम पिछले एक साल से अलग रह रहे हैं। अभी तक लोगों को इस बारे में पता नहीं था। ये फैसला हमने साथ मिलकर लिया है। पिछले एक साल से हम इस बारे में बात कर रहे थे। उनकी यह बात सुनकर फराह खान भी कुछ पल के लिए चौंक गई। आकांक्षा ने साफ किया कि उनके और गौरव के बीच कोई लड़ाई या कड़वाहट नहीं है। आकांक्षा ने कहा, हमारे बीच कुछ भी बुरा नहीं है। हम आज भी बात करते हैं, लेकिन हमें लगता है कि हम पार्टनर के तौर पर एक-दूसरे के लिए सही नहीं हैं। हमारी जिंदगी से उम्मीदें और चाहतें अलग हैं। उन्होंने बताया कि परिवार वालों ने भी उन्हें कुछ समय अलग रहने की सलाह दी थी ताकि शायद दूरी उन्हें एक-दूसरे की अहमियत समझा सके।

लेडीज़ एंड लेडीज़ टॉक्सिक टीज़र

यश की फिल्म की फीमेल लीड्स का फर्स्ट लुक देखकर खुश नहीं हैं फैंस

फिल्म टॉक्सिक का एक नया टीजर बुधवार को रिलीज किया गया है, जिसका नाम लेडीज एंड लेडीज रखा गया है। इस नए वीडियो में फिल्म की सभी मुख्य अभिनेत्रियों की पहली झलक दिखाई गई है। इनमें साउथ सुपरस्टार नयनतारा, कियारा आडवाणी, हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और रुक्मिणी वसंत शामिल हैं। इससे पहले फिल्म से जुड़े जितने भी वीडियो या पोस्टर सामने आए थे, उनमें सिर्फ मुख्य अभिनेता यश पर ही पूरा ध्यान दिया गया था और अभिनेत्रियों को बिल्कुल नहीं दिखाया गया था।

» **नए टीजर पर फैंस की प्रतिक्रिया...** फिल्म के प्रमोशन में महिलाओं को जगह न मिलने पर फैंस ने काफी नाराजगी जताई थी। दर्शकों की इसी मांग को पूरा करने के लिए मेकर्स ने यह नया टीजर जारी किया, जिसमें सिर्फ अभिनेत्रियों को दिखाया जाना था। हालांकि, इस वीडियो को देखने के बाद भी कई फैंस पूरी तरह खुश नहीं हैं। लोगों का कहना है कि महिलाओं को पेश करने के लिए बनाए गए इस टीजर में भी ज्यादातर समय अभिनेता यश ही स्क्रीन पर छाए रहे।

» **फिल्म टॉक्सिक के बारे में खास बातें...** टॉक्सिक फिल्म का निर्माण वेंकट के नारायण और खुद अभिनेता यश मिलकर कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह फिल्म बहुत बड़े स्तर पर बनाई जा रही है और इसका बजट लगभग 850 से 1000 करोड़ रुपये के बीच है। पिछले कुछ सालों में इस फिल्म की रिलीज डेट को कई बार आगे बढ़ाया जा चुका है। आखिरकार अब यह फिल्म इसी साल 26 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

बॉलीवुड न्यूज

कल को होगी आमिर खान की शादी, कोई स्टार नहीं होगा शामिल

» बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान इन दिनों अपनी फिल्मों से ज्यादा अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। कुछ समय पहले आमिर खान ने अपनी तीसरी शादी का ऐलान कर सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी थी। अब उनकी और गौरी स्प्रैट की शादी के वेन्यू और मेहमानों की लिस्ट को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आमिर खान और गौरी स्प्रैट की शादी आगामी 5 जुलाई को मुंबई में आमिर के निजी घर पर ही संपन्न होगी। जानकारी के अनुसार, दोनों किसी बड़ी या भव्य शादी की योजना नहीं बना रहे हैं। वे बहुत ही सादगी से अपने घर पर रजिस्टर्ड मैरिज करेंगे। शादी से जुड़ी सभी रस्में दिन के पहले हिस्से यानी सुबह से दोपहर के बीच पूरी कर ली जाएंगी। इस खास और बेहद निजी मौके पर आमिर खान के बच्चे भी मौजूद रहेंगे। खबरों की मानें तो इस शादी को पूरी तरह से निजी रखा गया है। इस समारोह में शामिल होने के लिए देश के अलग-अलग हिस्सों से सिर्फ परिवार के लोगों और बेहद खास दोस्तों को बुलाया गया है। शादी में लगभग 100 से 150 मेहमानों के शामिल होने की उम्मीद है। बताया जा रहा है कि आमिर और गौरी ने खुद जाकर अपने खास मेहमानों को निमंत्रण दिया है।

श्रद्धा कपूर ने 'ईथा' के लिए ली 15 करोड़ की भारी-भरकम फीस

» बॉलीवुड एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म ईथा को लेकर काफी चर्चा में हैं। इस फिल्म में वह महाराष्ट्र की मशहूर लोक कलाकार विठाबाई नारायणगांवकर का मुख्य किरदार निभाती नजर आएंगी। खबरों की मानें तो इस दमदार रोल के लिए श्रद्धा कपूर ने मेकर्स से मोटी रकम मांगी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, श्रद्धा कपूर ने अपनी इस नई फिल्म के लिए अपनी फीस काफी बढ़ा दी है। उन्होंने ईथा के लिए करीब 15 करोड़ रुपये चार्ज किए हैं। फिल्म के प्रोड्यूसर दिनेश विजन का मानना है कि विठाबाई की यह बायोपिक श्रद्धा के करियर को एक नया मोड़ दे सकती है, इसलिए उन्हें दी गई यह रकम बिल्कुल सही है। आपको बता दें कि इससे पहले श्रद्धा को फिल्म स्त्री 2 के लिए 5 करोड़ और तू झूठी मैं मक्कार के लिए 7 करोड़ रुपये मिले थे। फिल्म की चर्चा के साथ ही यह विवादों में भी घिर गई है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के फिल्म और सांस्कृतिक विभाग ने फिल्म के नाम यानी ईथा पर आपत्ति जताई है। पार्टी के सदस्यों और विठाबाई के परिवार का कहना है कि ईथा नाम रखने से विठाबाई की पहचान को नुकसान पहुंच सकता है।

कामाख्या देवी मंदिर पहुंचीं उर्फी जावेद, लाल चुनरी और तिलक लगाए तस्वीरें वायरल

» मशहूर सोशल मीडिया स्टार उर्फी जावेद एक बार फिर अपनी कुछ नई तस्वीरों को लेकर चर्चा में आ गई हैं। इस बार वह अपने किसी अजीब पहनावे के कारण नहीं, बल्कि असम के मशहूर कामाख्या देवी मंदिर पहुंचने के कारण सुर्खियों में हैं। मंदिर दर्शन की ये तस्वीरें इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रही हैं। सामने आई तस्वीरों में उर्फी जावेद बिल्कुल अलग अंदाज में नजर आ रही हैं। वह हरे रंग के सूट में बेहद साधारण और सुंदर दिख रही हैं। उन्होंने अपने सिर पर गुलाबी और लाल रंग की चुनरी ओढ़ी हुई है और माथे पर तिलक लगाया हुआ है। एक तस्वीर में वह मंदिर के सामने हाथ जोड़कर खड़ी हैं, तो वहीं दूसरी तस्वीर में वह मंदिर परिसर में दीया जलाती हुई दिखाई दे रही हैं। इन तस्वीरों को खुद उर्फी ने सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए लिखा, गुवाहाटी में मौजूद कामाख्या देवी मंदिर के दर्शन किये। उर्फी जावेद की इन धार्मिक तस्वीरों को देखने के बाद सोशल मीडिया पर एक बार फिर उनके धर्म बदलने की चर्चाएं शुरू हो गईं। बीते दिनों इंटरनेट पर यह अफवाह उड़ी थी कि उर्फी ने हिंदू धर्म अपना लिया है और अपना नाम बदलकर 'रीता भारद्वाज' रख लिया है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कलासो देवी के द्वारा सूचना प्रिंटर, 33 एस मॉडल टाउन मार्केट हिसार, हरियाणा से मुद्रित करवाकर बाला जी सेनेटरी स्टोर, करनाल रोड, डिफेंस कॉलोनी, गली नंबर-8, रिलायंस स्मार्ट पॉइंट के पास, कैथल से प्रकाशित। संपादक कलासो देवी। किसी भी विवाद के लिए न्याय क्षेत्र कैथल होगा। RNI No. HRHIN/26/A1127, मोबाइल नंबर: 9499422208, Email: Info@hindustanekta.com